Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -342 मंगलवार,18 अक्टूबर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

ईश्वर जिसे प्यार करता है,उसे कष्टों से रगड़कर साफ रखता है।

- इंजील-

संक्षिप्त समाचार

भट की हत्या के विरोध में शोपियां में शांतिपूर्ण प्रदर्शन

जम्मू , 17 अक्टूबर 2022। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में आज रात पूरन कृष्ण भट की हत्या के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया एवं कैंडल लाइट मार्च निकाला गया।

प्रदर्शन मुख्य शहर शोपियां में आयोजित किया गया था जिसमें जिले के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। शहर भर में लंबे कैंडल लाइट मार्च में भाग लेने वाले लोगों ने निर्दोष नागरिक की हत्या के खिलाफ नारे लगाए और पीड़ित परिवार के साथ एकजुटता दिखाई। उल्लेखनीय है कि शनिवार को चौधरी गुंड शोपियां में पूरन कृष्ण भट की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त जारी की

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर 2022। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्त जारी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मेलन और 600 पीएम किसान समृद्धि केंद्रों, जन उर्वरक परियोजना, कृषि-स्टार्टअप सम्मेलन और प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों एवं भारतीय जन उर्वरक परियोजना- एक राष्ट्र एक उर्वरक का शुभारंभ किया।

स्क्रैप बिक्री में रेलवे ने बनाया नया रिकॉर्ड, 6 महीने में ही कमाए 2,582 करोड़

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2022। भारतीय रेलवे ने स्क्रैप बिक्री में इस बार रिकॉर्ड बनाया है। इस वित्तीय वर्ष 2022-23 के पहले छह महीनों में उल्लेखनीय स्क्रैप बिक्री दर्ज की गई है। इस सेल के जरिए भारतीय रेलवे ने सितंबर 2022 तक पिछले साल की तुलना में 2003 करोड़ रुपये की तुलना में कुल 2582 करोड़ रुपये की कमाई की है। ये कमाई पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 28.91 प्रतिशत अधिक है। रेलवे के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कबाड़ की बिक्री से आय का लक्ष्य 4400 करोड़ रुपए रखा गया है। 2021-22 में 3,60,732 मीट्रिक टन की तुलना में 2022-23 में 3,93,421 मीट्रिक टन लौह स्क्रैप का निपटान इस साल किया गया था।

गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2022। बिलकिस बानो केस में गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के सामने हलफनामा दाखिल किया है। मामले में गुजरात सरकार ने 11 दोषियों को रिहा करने के अपने फैसले का बचाव किया है। हलफनामे में कहा गया कि 11 दोषियों ने जेल में 14 साल की सजा पूरी कर ली थी। उनका व्यवहार भी अच्छा पाया गया। इसके बाद उन्हें रिहा करने का फैसला किया गया।

गुजरात सरकार ने किया था रिहा

मामले में दोषी ठहराए गए 11 लोगों को 15 अगस्त को गोधरा उप-जेल से रिहा कर दिया गया था। गुजरात सरकार ने अपनी छूट नीति के तहत उनकी रिहाई की अनुमति दी थी। इन्होंने जेल में 15 साल से अधिक समय पूरा किया था।

क्या है मामला?

27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस में गोधरा स्टेशन के पास आग लगा दी गई। इस घटना में अयोध्या से लौट रहे 59 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। घटना के चलते गुजरात में दंगे भड़क उठे। दंगों की आग तीन मार्च 2002 को बिलकिस के परिवार तक पहुंच गई।

उस वक्त 21 साल की बिलकिस के परिवार में बिलकिस और उनकी साढ़े तीन साल की बेटी के साथ 15 अन्य सदस्य भी थे। चार्जशीट के मुताबिक बिलकिस के परिवार पर हसिया, तलवार और अन्य हथियारों से लैस 20-30 लोगों ने हमला बोल दिया था। इनमें दोषी करार दिए गए 11 लोग भी शामिल थे।

दंगाइयों ने बिलकिस, उनकी मां और परिवार की तीन अन्य महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया। उन सभी को बेरहमी से पीटा। हमले में परिवार के 17 में से सात सदस्यों की मौत हो गई। छह लापता हो गए। केवल तीन लोगों की जान बच सकी। इनमें बिलकिस, उनके परिवार का एक पुरुष और एक तीन साल का बच्चा शामिल था।

घटना के बाद बिलकिस लिमखेड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचीं। जहां उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। सीबीआई के मुताबिक शिकायत दर्ज करने वाले हेड कॉन्स्टेबल सोमाभाई गोरी ने भौतिक तथ्यों को दबाया और बिलकिस की शिकायत को तोड़-मरोड़ कर लिखा। यहां तक की उन्हें मेडिकल जांच के लिए सरकारी अस्पताल में तब ले जाया गया जब वो गोधरा के राहत कैंप में पहुंची। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद बिलकिस का मामला सीबीआई को जांच के लिए स्थानांतरित कर दिया गया।

आखिर किस आधार पर छोड़ा गया?

11 दोषियों में से एक राधेश्याम शाह ने सुप्रीम कोर्ट में सजा माफी के लिए याचिका दायर की। कोर्ट ने गुजरात सरकार को याचिका पर फैसला लेने को कहा। इसके बाद गुजरात सरकार ने एक कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने माफी की याचिका मंजूर कर ली। इसके बाद इन लोगों की रिहाई हुई।

हैदराबाद में शख्स ने पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर की खुदकुशी

हैदराबाद , 17 अक्टूबर 2022। एक चौंकाने वाली घटना में, हैदराबाद में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर आत्महत्या कर ली। चंदनगर इलाके के पापीरेड्डी कॉलोनी में उनके घर से पड़ोसियों द्वारा दरुगध की शिकायत के बाद पुलिस ने सोमवार को दरवाजा तोड़ा जिसके बाद शव मिले।

घर में नागराजू, उनकी पत्नी सुजाता और बच्चों सिदप्पा (11) और राम्याश्री (7) के शव पड़े मिले।

पुलिस को आशंका है कि घटना शुक्रवार की है। नागराजू ने अपनी पत्नी और बच्चों पर दर्जी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कैंची से हमला किया और उन्हें मारने के बाद खुद को फांसी लगा ली।

मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत चंदनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मूल रूप से संगारेड्डी जिले के जहीराबाद के रहने वाला नागराजू पिछले कुछ सालों से हैदराबाद में रह रहा था और सेल्समैन का काम कर रहा था।

नागराजू के परिवार के सदस्यों ने कहा कि वह अक्सर अपनी पत्नी के साथ झगड़ता रहता था। उन्हें शक है कि शुक्रवार रात सुजाता के साथ हुए झगड़े के दौरान उसने यह भयावह कदम उठाया।

चूंकि पिछले तीन दिनों से घर में ताला लगा था और दरुगध भी आ रही थी, पड़ोसियों को शक हुआ और पुलिस को सूचना दी।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे सभी एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं। वे यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या नागराजू को कोई मानसिक समस्या थी या उन्हें अपनी पत्नी के बारे में कोई संदेह था।

मनोज तिवारी की याचिका खारिज,मानहानि मामले में जारी हुआ था समन

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2022। बीजेपी नेता मनोज तिवारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने समन के खिलाफ दाखिल उनकी अपील को खारिज कर दिया है। दरअसल, 2019 में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने तिवारी के खिलाफ मानहानि का केस किया था। निचली अदालत द्वारा जारी समन आदेश को खारिज करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। हालांकि कोर्ट ने बीजेपी विधायक विजेंद्र गुप्ता की इसी तरह की याचिका को स्वीकार कर लिया है।

पीठ ने कहा, 'हमने मनोज तिवारी की अपील को खारिज कर दिया है और विजेंद्र गुप्ता की अपील को इस आधार पर स्वीकार कर लिया है कि विधि आयोग की रिपोर्ट की हिस्ट्री का ठीक से पता नहीं चला है।' दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बीजेपी नेताओं के खिलाफ प्राइवेट मानहानि की शिकायत दर्ज करवाई है। यह शिकायत उनपर कथित रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगाने को लेकर की गई है ।

आरोप पर दायर किया था मानहानि का मुकदमा- सिसोदिया ने भाजपा नेताओं सांसद तिवारी, हंसराज हंस और प्रवेश वर्मा, विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा और गुप्ता तथा भाजपा प्रवक्ता हरीश खुराना के खिलाफ दिल्ली सरकार के स्कूलों की कक्षाओं के संबंध में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के लिए शिकायत दर्ज की थी। भाजपा नेताओं ने सिसोदिया द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में उन्हें और अन्य को आरोपी के रूप में तलब करने के निचली अदालत के 28 नवंबर, 2019 के आदेश को चुनौती दी है।

दूध के बाद अब प्याज रुलाने को है तैयार,दीवाली तक बढ़ सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर 2022। दूध की कीमतों में आए उबाल के बाद अब प्याज भी रुलाने को तैयार है। आपको बता दें कि देश भर में प्याज की कीमतों में तेजी आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह में आवश्यक वस्तुओं की दरों में लगभग 60-80त्न की वृद्धि देखी गई है।

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते देश के दो सबसे बड़े मिल्क ब्रांडों अमूल और मदर डेयरी ने इनपुट लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए फुल क्रीम दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

नई फसल के आने तक करना होगा इंतजार

मिली जानकारी के अनुसार प्याज की कीमतों में उछाल तब तक जारी रहेगा जब तक कि नवंबर के पहले सप्ताह तक ताजा फसल बाजार में नहीं आ जाती। बाजार में प्याज का खुदरा मूल्य कई जगहों पर ?40 प्रति किलोग्राम को पार कर गया है। कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो प्याज बहुत जल्द रू.50 प्रति किलोग्राम के पार भी जा सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव,राहुल गांधी ने डाला वोट

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2022। कांग्रेस में आज नए अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मतदान हो रहा है. वोटिंग शुरू हो गई है. यह शाम 4 बजे तक जारी रहेगी. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद शशि थरूर के बीच सीधा मुकाबला है. 19 अक्टूबर को नतीजे आएंगे. 24 साल में यह पहला मौका है, जब कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नेहरू-गांधी परिवार का कोई सदस्य मैदान में नहीं है. कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए 9300 डेलिगेट्स सोमवार को मतदान करेंगे. अध्यक्ष पद के लिए दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के साथ-साथ देशभर में मौजूद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तरों में वोटिंग होगी.

राहुल गांधी ने कर्नाटक के बेल्लारी में वोट डाला. उनके साथ कांग्रेस के करीब 40 नेता वोट डालेंगे.

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वोट डाला.

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह कहना गलत है कि 22 साल बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहा है. उन्होंने कहा कि पहले जब भी कोई उम्मीदवार सामने खड़ा नहीं हुआ, उसे भी चुनाव ही माना जाएगा. शशि थरूर के कांग्रेस को पुनर्जीवित करने वाले बयान को लेकर उन्होंने कहा, मैं बहुत दुखी हूं कि वे इस तरह के बयान दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि थरूर की हिंदी शायद कमजोर है, जो इस तरह की बातें कर रहे हैं. मैं इस बयान का खुलकर विरोध करता हूं. मैं खुल कर कह रहा हूं की खड़गे को वोट करूंगा, यूपी कांग्रेस के 99त्न सदस्य भी खड़गे को ही सपोर्ट कर रहे हैं.

कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे ने डाला वोट

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है. कांग्रेस में 22 साल बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहे हैं. इस चुनाव ने पार्टी में आंतरिक सद्भाव का संदेश दिया. गहलोत ने कहा कि 19 अक्टूबर के बाद भी गांधी परिवार से मेरे रिश्ते वैसे ही रहेंगे।

पुष्कर धार्मिक मेला आगमी चार नवंबर से होगा शुरु

अजमेर , 17 अक्टूबर 2022। राजस्थान के अजमेर में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेले के तहत आयोजित पांच दिवसीय धार्मिक मेले का आगाज चार नवंबर से होगा। तीर्थराज पुष्कर स्थित पवित्र सरोवर पर एकादशी पर शुरू यह मेला आठ नवंबर कार्तिक पूर्णिमा के महास्नान के साथ संपन्न हो जाएगा। इसी दिन चंद्रग्रहण भी होगा और ब्रह्मा मंदिर के कपाट सूतक के चलते बंद रहेंगे। मंदिर ग्रहण मोक्ष के बाद खुलेगा और उसके भी दो घंटे बाद श्रद्धालु ब्रह्माजी के मंदिर में दर्शन कर सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला कोरोनाकाल के कारण इस बार दो साल बाद आयोजित हो रहा है। श्रीपुष्कर पशु मेला तो गौवंश में लम्पी संक्रमण के चलते राज्य सरकार के निर्देश पर पशुपालन विभाग ने स्थगित रखा गया है। ऐसे में पशु मेला आयोजित नहीं होगा केवल धार्मिक मेला ही होगा जिसकी अजमेर व पुष्कर प्रशासन ने जोर शोर से तैयारी शुरू कर दी है। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की पूर्व संभावना के तहत प्रशासन तैयारी में जुटा है। आध्यात्मिक पद यात्रा व दीपदान जैसे आयोजन आयोजित किए जाएंगे। पुष्कर मेला मैदान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित होगी। पुष्कर पशु मेले के लिए भी सरकार से अपने निर्णय पर पुर्नविचार की मांग की जा रही है।

10 हजार रुपए की रिश्वत लेते लेबर इंस्पेक्टर गिरफ्तार,लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा

इंदौर, 17 अक्टूबर 2022। 18 वर्ष से कम आयु के कर्मचारी, वेतन कम और बोनस और स्वास्थ्य बीमा न होने की कमी बताकर दर्ज किए गए मामले में दबाने के लिए कारोबारी से 10 हजार रुपए की रिश?वत लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने श्रम निरीक्षक मनोजसिंह तोमर को रंग हाथों गिरफ्तार किया है। मनोज तोमर सहायक श्रम आयुक्त कार्यालय इंदौर में पदस्थ है। उसने 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी, लेकिन पहली किस्त लेते ही धरा गया।

फरियादी शिवानी पिता संतोष शर्मा निवासी संजय नगर ने बताया कि उनकी फर्म तिरुपति हर्ब्स अंजनी नगर में थी। इसका निरीक्षण श्रम निरीक्षक मनोज सिंह तोमर ने किया था। इस दौरान तोमर ने 18 वर्ष से कम आयु के कर्मचारी, उन्हें वेतन कम देने, बोनस नहीं देने, उनका स्वास्थ्य बीमा न होने की कमी बताकर प्रकरण दर्ज किया था। इसके निराकरण के एवज में तोमर ने 25 हजार रुपये मांगे थे। फरियादी शिवानी ने लोकायुक्त कार्यालय में इसकी शिकायत की थी।

फरियादी और तोमर के बीच में पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए देने की बात हुई। सोमवार को जब श्रम निरीक्षक मनोज सिंह तोमर ने 10 हजार रुपये लिए तो पहले से तैयार लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया। उस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत कार्रवाई की गई।

एक साल के भीतर दुष्कर्म पीड़िता से करनी होगी शादी, इस शर्त के साथ हाईकोर्ट ने आरोपी को दी जमानत

मुंबई, 17 अक्टूबर 2022। दुष्कर्म पीड़िता से शादी करने की शर्त पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी। हाईकोर्ट ने 26 साल के रेप के आरोपी को जमानत देते हुए स्पष्ट तौर पर कहा कि अगर पीड़िता मिलती है तो एक साल के भीतर उससे शादी करनी होगी।

मिली जानकारी के अनुसार दुष्कर्म के बाद पीड़िता गर्भवती हो गई और उसने एक बच्चे को भी जन्म दिया मगर तब से पीड़िता गायब है। पुलिस उसे लगातार सर्च कर रही है।

जस्टिस भारती डांगरे के अनुसार पीड़िता आरोपी को 2018 से जानती है। दोनों ही सहमति से रिलेशन में थे। इसके बारे में उनके रिश्ते के बारे में परिवार वाले भी जानते थे और शादी के लिए भी तैयार थे। मगर प्रेग्नेंसी के 6 महीने बाद आरोपी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया।

महिला ने अपना घर इसलिए छोड़ दिया था, क्योंकि वो अपनी प्रेग्नेंसी को सीक्रेट रखना चाहती थी। उसे इस बात का डर था कि बगैर शादी के प्रेग्नेंट होने से उसके परिवार को बदनामी होगी। बच्चे का जन्म 27 जनवरी 2020 को हुआ था। तीन दिन बाद उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। महिला ने तीन दिन के बच्चे को मुंबई के मरीन लाइन्स पर छोड़ दिया और तब तक वहां रुकी रही जब तक चौकीदार उस बच्चे को उठाकर नहीं ले गया।

बाद में बच्चे को एडॉप्शन के लिए दे दिया गया। साथ ही पुलिस ने महिला के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल कर दी। जस्टिस डांगरे का मानना है कि इसी वजह से वो भाग रही है। महिला ने अपने खिलाफ केस दर्ज होने के 25 दिन बाद 24 फरवरी 2020 को रेप का केस दर्ज करवाया। शिकायत के आधार पर अगले ही दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि महिला गायब है उसका मोबाइल नंबर भी अस्थायी रूप से सेवा से बाहर है, इसलिए उसे ट्रैक कर पाना भी मुश्किल है।

आरोपी की ओर से पेश हुए वकील सनी वास्कर और शमिश मारवाड़ी ने हाईकोर्ट में एफिडेविट दाखिल किया. इस एफिडेविट में आरोपी ने बताया कि वो पीड़िता से शादी करने को तैयार है और उस बच्चे को भी अपनाने के लिए तैयार है। आरोपी के माता-पिता ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। हालांकि हाईकोर्ट ने ये भी साफ किया कि आरोपी एक साल के बाद पीड़िता से शादी करने के लिए बाध्य नहीं है।

दो यात्रियों में हुआ विवाद युवक को चलती ट्रेन से धक्का देकर फेंका,वायरल हुआ विडीयो

पश्चिम बंगाल, 17 अक्टूबर 2022। पश्चिम बंगाल के बीरभूम से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां मामूली सी कहासुनी के बाद ट्रेन में यात्रा कर रहे एक शख्स ने दूसरे यात्री को चलती ट्रेन से बाहर धक्का दे दिया. इस पूरी घटना का वीडियो ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब वायरल हो रहा है.

हावड़ा से मालदा जाने वाली intercity e&press में दोनों शख्स सफर कर रहे थे. तभी किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया. देखते-देखते मामला हाथापाई तक जा पहुंचा. इसी बीच एक यात्री को गुस्सा आ गया और उसने झगड़ा कर रहे दूसरे शख्स को चलती ट्रेन से बाहर धकेल दिया.

रविवार सुबह उस यात्री को लहूलुहान हालत में रेलवे पुलिस ने ट्रैक से बरामद किया. घायल यात्री का नाम सजल शेख है और बीरभूम के रामपुरहाट का रहने वाला है. उसे रामपुरहाट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहां धक्का देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

संपादकीय

चुनाव आयोग के लचर तर्क

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में 2017 में एक महीने के अंतराल पर मतदान हुआ था लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे एक साथ 18 दिसंबर को आए थे। दोनों राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया एक साथ 20 दिसंबर को पूरी हुई थी। दोनों राज्यों की विधानसभाओं का गठन भी लगभग साथ साथ हुआ था और विधानसभाओं का कार्यकाल भी साथ साथ ही खत्म हो रहा था। तभी यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि दोनों राज्यों में इस साल एक साथ चुनाव होंगे। लेकिन चुनाव आयोग ने सिर्फ हिमाचल प्रदेश में चुनाव की घोषणा की और गुजरात को छोड़ दिया। दो छोटे छोटे राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं कराने पर चुनाव आयोग ने इतने लचर दिए, जिन्हें सुन कर हैरानी हुई।

चुनाव आयोग ने मौसम का हवाला दिया और कहा कि हिमाचल में बर्फ गिरनी शुरू हो उससे पहले चुनाव कराना था। अच्छी बात है। बर्फ गिरनी शुरू हो उससे पहले चुनाव के लिए 12 नवंबर का दिन तय हुआ। तो सवाल है कि उसी दिन गुजरात का चुनाव क्यों नहीं हो सकता था? किसी भी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल छह महीने से कम बचा होता तो वहां चुनाव का फैसला आयोग को करना होता है। जैसे हिमाचल प्रदेश की पिछली विधानसभा का कार्यकाल जनवरी 2018 में खत्म हो रहा था लेकिन आयोग ने नौ नवंबर 2017 को ही चुनाव करा लिया था। उसी तरह गुजरात विधानसभा का कार्यकाल भी छह महीने से कम रह गया है तो आयोग उसकी तारीखों का फैसला कर सकता था।

चुनाव आयोग ने परंपरा का हवाला दिया। यानी दोनों राज्यों में अलग अलग चुनाव घोषणा की परंपरा रही है। सोचें, इसका क्या मतलब है? जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग दोनों वन नेशन, वन इलेक्शन की बात करते हैं यानी पूरे देश में एक साथ लोकसभा और विधानसभाओं में चुनाव की बात करते हैं तो क्या तब उनको परंपरा का ख्याल नहीं आता है? एक साथ चुनाव कराने में क्या परंपराएं नहीं टूटेंगी? क्या आयोग को पता नहीं है कि ऐसी परंपराएं कितनी बार पहले टूट चुकी हैं? इसमें तो कोई बड़ी परंपरा भी नहीं टूटनी थी। दोनों राज्यों के वोटों की गिनती जब साथ होनी है तो चुनाव की घोषणा भी एक साथ हो सकती है और मतदान भी एक साथ हो सकता है।

मुसाफिर

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

दुनियाँ के सफ़र में है हयात मुसाफ़िर
भटक रही यहां पर है किसकी खातिर
एक राह है आने की जाने की भी है एक
तो भेद भाव कैसा बन जाएं हम नाज़िर
आए यहां क्या लेके क्या साथ है जाना
धोखा धड़ी में फिर क्यूं होने लगे माहिर
नफ़रत को आ मिटाके कुछ ऐसा हम करें
ऐसी चले बयार के बस प्यार हो ज़ाहिर
ऐसा जहां हो सब जहां रहें सुकून से
दुख दर्द में सभी के हो जाएं सब हाज़िर
ज़न्नत का नज़ारा उतर आएगा ज़मीं पे
ऑंखों से गुफ़्तगु हो लब रहने दें कासिर

मगरिब-ओ-मशरिक

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

किराये की दुनिया में ना मालिक बन
दाद-ख़्वाही छोड़ दे ना आशिक़ बन
माना कि लोग रंग बदलते हैं वक़्त साथ
अब जाने दे उन्हें तू न मुनाफ़िक़ बन
बनना जो चाहे बन सही अपने ही लिए
अब और न तू उनके मन मुताबिक बन
चमक जा आसमान में आफताब की तरह
घरौंदा आसमानी ले मग़रिब-ओ-मशरिक़ बन
कुछ तौर दुनिया वाले भी देखते चल गीत
कुछ सीख दूसरों से न सादिक़ बन

सांवली चंचल चितवन

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷
राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

सांवली चंचल चितवन में
नेह भींगा समर्पण लिये,
प्रीत के दीप जलाये,
तुम ने निंदयारी पलकों में।
महक जाये सूनी बगिया,
खुले खुशबुओं के दरीचे।
मेरी प्रीत का जहां आबाद है,
कजरारी पलकों के नीचे।
मेरे ही सपनें सजाये,
तुम ने निंदयारी पलकों में।
प्रीत के दीप जलाये
तुम ने निंदयारी पलकों में।
तुम्हारे सुर्ख लबों पर,
मेरे गीत यूं मचलते है।
जैसे बहारों के मौसम में,
हसीं गुलाब खिलते है।
वफा के फूल खिलाये,
तुम ने निंदयारी पलकों में
प्रीत के दीप जलाये
तुम ने निंदयारी पलकों में।
बोलती है झुकी झुकी नजरे,
मौसम गुलाबी लगता है।
जानेमन ये भोला चेहरा,
मुझ को किताबी लगता है।
कैसे कैसे राज छुपाये,
तुम ने निंदयारी पलकों में
प्रीत के दीप जलाये
तुम ने निंदयारी पलकों में।

जानलेवा बनती अजनबियों से अश्लील वीडियो कॉल्स

-डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी, हरियाणा

इस अपराध के पीछे संगठित अपराध समूह ज्यादातर विदेशों में स्थित हैं। उनके लिए यह पैसा कमाने का एक कम जोखिम वाला तरीका है और वे कई पीड़ितों तक आसानी से ऑनलाइन पहुंच सकते हैं। पीड़ित अक्सर पुलिस को इन अपराधों की रिपोर्ट करने से चिंतित होते हैं क्योंकि वे शर्मिंदा होते हैं। जबकि सेक्सटॉर्शनिस्ट पीड़ितों को परेशान करने, शर्मिंदा करने, आघात करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं, यह उच्च समय है कि दानव को सिर के बल ले जाया जाए और जागरूकता बढ़ाने और सेक्सटॉर्शन की बुराई के सामाजिक कलंक को दूर किया जाए। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेट कभी भी %भूलता और माफ नहीं करता और इसकी पहुंच और प्रसार बिजली से तेज और विशाल है। प्रभावशाली दिमाग वाली हमारी युवा पीढ़ी को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए कि वे कभी भी अश्लील वीडियो कॉल में शामिल न हों और अगर कोई अजनबी अंतरंगता विकसित करने के लिए जल्दबाजी करता है, तो खतरे की घंटी बजनी चाहिए। रैकेटियर को रिपोर्ट करने और निडर होकर न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत है।

बहुत से लोग छेड़खानी और साइबरसेक्स के लिए वेबकैम का उपयोग करते हैं - लेकिन कभी-कभी जिन लोगों से आप ऑनलाइन मिलते हैं वे वे नहीं होते जो वे कहते हैं कि वे हैं। अपराधी नकली पहचान का उपयोग करके पीड़ितों से ऑनलाइन दोस्ती कर सकते हैं और फिर उन्हें अपने वेबकैम के सामने यौन क्रिया करने के लिए राजी कर सकते हैं, अक्सर शिकार को लुभाने के लिए एक आकर्षक महिला का उपयोग करते है। इन महिलाओं को वित्तीय प्रोत्साहन या धमकियों का उपयोग करके इन कार्यों में मजबूर किया गया हो सकता है। ये वेबकैम वीडियो अपराधियों द्वारा रिकॉर्ड किए जाते हैं जो फिर पीड़ितों के दोस्तों और परिवार के साथ छवियों को साझा करने की धमकी देते हैं। इससे पीड़ितों को बेहद शर्मिंदगी और शर्मिंदगी महसूस हो सकती है। पुरुष और महिला दोनों इस अपराध का शिकार हो सकते हैं, या तो उन्हें ब्लैकमेल किया जा सकता है या यौन कृत्यों को करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। बेहद आकर्षक महिला के नकली प्रोफाइल पहले से ही बनाए जाते हैं और उन्हें यथार्थवादी दिखने के लिए सावधानीपूर्वक देखभाल की जाती है, यानी प्रोफाइल की लंबी कालक्रम, नियमित अद्यतन, या आकर्षक और यथार्थवादी चित्रों को नियमित रूप से अपलोड करना आदि।

इन नकली लेकिन वास्तविक प्रोफाइल से पहचाने गए लक्ष्यों के लिए मित्र अनुरोध भेजे जाते हैं। अनुरोध फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिंडर, डेटिंग या यहां तक कि वैवाहिक साइटों जैसे प्लेटफार्मों में अत्यधिक दोस्ताना और आकर्षक आकर्षक महिलाओं से हैं। इस घिनौने कृत्य के लिए तकनीकी पहलुओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है और भोले-भाले शिकार का विश्वास हासिल करने के लिए %सोशल इंजीनियरिंग% नामक मनोवैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। सोशल इंजीनियरिंग से तात्पर्य अपराधियों द्वारा धोखे और धोखाधड़ी के माध्यम से पीड़ितों को हेरफेर करने के लिए उपयोग की जाने वाली मनोवैज्ञानिक चाल से है। फिर स्कैमर्स उन्हें यौन लालच के वीडियो कॉल में शामिल होने के लिए लुभाते हैं और प्रेरित करते हैं, आमतौर पर गिरोह की महिला सहयोगियों को भद्दे वीडियो कॉल में लिप्त होने और इनबिल्ट या डाउनलोड किए गए स्क्रीन रिकॉर्डिंग ऐप का उपयोग करके उन्हें रिकॉर्ड करने के लिए प्रेरित किया जाता है। ये रिकॉर्ड की गई कामोत्तेजक क्लिप फिर जबरन वसूली के साधन बन जाते हैं जिससे पीड़िता को अनकहा आघात होता है। भारत में 70 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन (प्रत्येक अपने आप में एक शक्तिशाली कंप्यूटर की तरह काम कर रहे हैं) के साथ, सेक्सटॉर्शन के जाल फैलाने के लिए चारागाह हैं। यह भारतीय समाज में यौन इच्छाओं से जुड़े अत्यधिक पाखंड और कलंक के साथ मिलकर, लोगों को फंसाने के लिए एक अनुकूल प्रजनन स्थल की सुविधा प्रदान करता है। सेक्सटॉर्शन एक दर्दनाक, भयानक और अमानवीय उल्लंघन है जो पीड़ितों की शर्म और सामाजिक स्तर से खेलता है। ऐसे में अपने आप को शिकार बनने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप इस बारे में बहुत सावधान रहें कि आप किसके साथ ऑनलाइन मित्रता करते हैं, खासकर यदि आप उनके साथ कुछ भी अंतरंग साझा करने पर विचार कर रहे हैं। घबराएं नहीं, पहला बड़ा कदम यह पहचानना है कि आप इसमें पीड़ित हैं और जो कुछ हुआ है, उसमें आपकी मदद करने के लिए आपको समर्थन की आवश्यकता हो सकती है। ब्लैकमेल के तौर पर पैसे की बजाये उल्टा धमकाना सही उपाय हो सकता है लेकिन अनुभव से पता चलता है कि जहां पीड़ितों ने भुगतान किया है, वहां इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अपराधी अभी भी रिकॉर्डिंग पोस्ट नहीं करेंगे और वास्तव में आगे की मांगों के साथ वापस आने की अधिक संभावना है। संवाद न रखें, ब्लॉक कर दे क्योंकि इन धमकियों का जवाब देने से यह अपराधियों को संकेत मिलता है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें अपनी फिरौती देने के लिए राजी किया जा सकता है। साथ ही आपके साथ क्या हुआ है इसकी रिपोर्ट करने के लिए आप अपने स्थानीय पुलिस बल (101) से संपर्क कर सकते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है यदि आप इस मुद्दे से निपटने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि आपकी आयु 18 वर्ष से कम है, तो किसी विश्वसनीय वयस्क से बात करने पर विचार करें और बाल शोषण ऑनलाइन सुरक्षा के माध्यम से अतिरिक्त सहायता भी प्राप्त करे।

इस अपराध के पीछे संगठित अपराध समूह ज्यादातर विदेशों में स्थित हैं। उनके लिए यह पैसा कमाने का एक कम जोखिम वाला तरीका है और वे कई पीड़ितों तक आसानी से ऑनलाइन पहुंच सकते हैं। पीड़ित अक्सर पुलिस को इन अपराधों की रिपोर्ट करने से चिंतित होते हैं क्योंकि वे शर्मिंदा होते हैं। जबकि सेक्सटॉर्शनिस्ट पीड़ितों को परेशान करने, शर्मिंदा करने, आघात करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग कर सकते हैं, यह उच्च समय है कि दानव को सिर के बल ले जाया जाए और जागरूकता बढ़ाने और सेक्सटॉर्शन की बुराई के सामाजिक कलंक को दूर किया जाए। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेट कभी भी %भूलता और माफ नहीं करता% और इसकी पहुंच और प्रसार बिजली से तेज और विशाल है। प्रभावशाली दिमाग वाली हमारी युवा पीढ़ी को यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया जाना चाहिए कि वे कभी भी अश्लील वीडियो कॉल में शामिल न हों और अगर कोई अजनबी अंतरंगता विकसित करने के लिए जल्दबाजी करता है, तो खतरे की घंटी बजनी चाहिए। रैकेटियों को रिपोर्ट करने और निडर होकर न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत है।

भ्रष्टाचार,रिटायरमेंट बाद जिंदगी लाचार

भ्रष्टाचारी लाख करे चतुराई,कर्म का लेख मिटे ना रे भाई

भ्रष्टाचारी कमाई का बीज़ शरीर में फलकर,वर्तमान और रिटायरमेंट के बाद, ब्याज सहित वसूली करके ही जीव को छोड़ता है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म चंडीपूजा का रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी उर्फ कवि प्रदीप द्वारा लिखा गीत, कोई लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई, जरा समझो इसकी सच्चाई रे, कर्म का लेख मिटे ना रे भाई यह गीत आज हर शासकीय कर्मचारी, युवा वर्ग और भ्रष्टाचार रूपी मीठी मिठाई खाने वालों को जरूर सुनना चाहिए, क्योंकि भ्रष्टाचार एक ऐसा बीज़ है, जो हमेशा उसे बोने के लिए ललचाता है, खुद हर किसी के शरीर में जाकर पनपने को लालायित रहता है ताकि अपनी जड़ें जमा कर अपने शिकार को वर्तमान सहित उसके रिटायरमेंट के बाद अधिक सुविधा और शुद्धता से अपना निवाला बना सके!! उसकी जिंदगी नर्क करे। परंतु हम मनीषजीव उसकी इस चाल को समझ नहीं पाते और आधुनिक सुख-सुविधाओं, अपने क्षमताओं से अधिक सुख भोगने, समाज में दिखावा करके, एंजॉयमेंट रसों लोगों का स्वाद चखने, अपनीं अपनीं जिंदगी जरूरत से अधिक सुगम बनाने के लिए भ्रष्टाचार रूपी खतरनाक बीज के झांसे में आकर उसे अपनाते है अपने शरीर में उससे खरीदी वस्तुओं का उपभोग कर अपने खून में उसे घोलतें है, जिससे उस बीज को शरीर में फलने फूलने का आश्रय और विकास करने की क्षमता प्रदान करतें है, जिसका भुगतान भ्रष्टाचारी को खुद और अपने परिवार सहित अपने कुल को चक्रवर्ती ब्याज सहित भुगतान करना पड़ता है,जिसे हम सब अपने आसपास और समाज में देखते भी हैं कि किस तरह ऐसे लोग हमेशा विवादों में तकलीफों में बीमारियों के घेरे में रहते हैं, उनके परिवार हमेशा विपत्तियों के घेरे में रहते हैं और उम्र के अंतिम पड़ाव में नोटों के पहाड़ ढहने लगते हैं जिसका उदाहरण हम पिछले कुछ दिनोंसे ईडीसीबीआई और अन्य एजेंसियों के रेड में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देख सुन रहे हैं करीब-करीब रोज टीवी चैनलों पर चमकती हुई नोटों की हरी गुलाबी गाडियां दिखाई जाती है जिन्हें गिनने मशीनें भी कम पड़ जाती है। इसलिए बड़े बुजुर्गों की कहावत सही है जब संभलो सवेरा तभी शुरू होता है, सुबह का भूला शाम को लौटे तो भुला नहीं कहते इसलिए कवि प्रदीप का उपरोक्त गीत सुनकर समझने की कोशिश करें,ऐसा मेरा मानना है इसके साथ ही मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचानां नहीं है अपितु भ्रष्टाचार रूपी असुर दानव को भारत माता की गोद से कोसों दूर भगाना है जो दीमक की तरह देश को चट कर रहा है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार निवारण में समाज की भूमिका की करें तो, समाज ही सभी अच्छाईयों व बुराईओं का स्त्रोत व उत्तरदायी हैं। समाज द्वारा चुने लोग ही सरकार में भेजे जाते हैं। हमारे समाज के लोग ही सरकारी नौकरियों व पदों पर रखे जाते हैं। इसका अर्थ यह है कि समाज के अन्दर ही भ्रष्टाचार का बीज विद्यमान हैं। हमें अपने समाज में सुधार करने की आवश्यकता हैं। इसके लिए आवश्यक हैं कि हमे ऐसे लोगो को प्रमुख जिम्मेदारी देनी चाहिए जो विद्वान, योग्य हो और समाज हित व देश हित की मंशा रखते हैं। हमें सबसे पहले शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को शुरू से ही अच्छे कार्य करने की शिक्षा देनी चाहिए। उन्हे गलत कार्यों व लालच से दूर रहने की सलाह देनी चाहिए। यह जिम्मेदारी प्रत्येक माता पिता, बुजुर्ग, शिक्षक व अन्य सभी प्रमुख व्यक्तियों की है कि, वे भ्रष्टाचार मुक्त समाज व राष्ट का निर्माण करने में सहायक बने और दूसरों को भ्रष्टाचार करने से रोकें व उन्हें शिक्षित करें।

साथियों बात अगर हम केंद्र सरकार को मिलने वाली भ्रष्टाचार की शिकायतों की प्रक्रिया की करें तो, शिकायतें केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के जरिये मिलती है, जो एक ऑनलाइन पोर्टल है, जो नागरिकों को सरकारी विभागों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की सुविधा देता है। अगस्त-2022 के लिए जारी सीपीजीआरएएमएस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल अब तक अकेले भ्रष्टाचार की श्रेणी के तहत 46 हजार 627 जन शिकायतें प्राप्त हुई हैं।गौरतलब है कि सीपीजीआरएएमएस पर जन शिकायतों के समाधान की समयसीमा 45 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी जा चुकीहै।पिछले पांच वर्षों में सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर औसतन 19 लाख शिकायतें मिली हैं।

साथियों बात अगर हम हाल ही में जारी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की भ्रष्टाचारियों पर जारी रिपोर्ट 2022 की करें तो, रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि एक जनवरी से 25 अगस्त 2022 के बीच कुल 7 लाख 50 हजार 822 जन शिकायतें मिलीं, जिनमें पिछले साल की लंबित 68 हजार 528 जन शिकायतें शामिल हैं.। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक जनवरी से 25 अगस्त 2022 के बीच प्राप्त 7 लाख 50 हजार 822 जन शिकायतों में से 7 लाख 27 हजार 673 का निपटारा किया जा चुका है, जबकि 91 हजार 677 लंबित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुल लंबित जन शिकायतोंमें से 2 हजार 157 का एक साल से अधिक समय से निपटारा नहीं किया जा सका है, इसमें कहा गया है कि 10 हजार 662 जन शिकायतें छह महीने से अधिक समय से, 47 हजार 461 जन शिकायत 30 दिन से अधिक समय से और 44 हजार 216 जन शिकायतें 30 दिन से कम से समय से लंबित हैं।

साथियों हाल ही में नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट में भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई के जो आंकड़े जारी हुए हैं, वह चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 की तुलना में 2021 में भ्रष्ट सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के पकड़े जाने के मामले 65 प्रतिशत तक बढ़ गए। अनेक सरकारी अधिकारी और कर्मचारी तो रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है- पूरे साल में बहुत कम भ्रष्टाचारी सलाखों के पीछे पहुंचे।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021 और ट्रांसफिरेंसी इंटरनेशनल भ्रष्टाचार इंडेक्स 2021की करें तो, भ्रष्टाचार के मामले में भारत का मौजूदा हाल भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021में भारत पिछले साल की तरह 85 वें स्थान पर काबिज है। 2013 के बाद से इस सूचकांक में भारत की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। इससे पहले के दो सालों 2014 और 2015 में भारत का स्कोर 38 था। 2016 में यह स्कोर बढ़कर 40 हुआ और 2017 में भी यही रैंक बना रहा। साल 2018 में भारत 1 नंबर की बढोत्तरी के साथ सूचकांक में सबसे बेहतर 41 के स्कोर पर जा पहुंचा था। 2019 में भी भारत का स्कोर इतना ही बना रहा। साल 2020 में भारत एक अंक से पीछे पहुंच गया और दोबारा 40 के स्कोर पर जा पहुंचा। 2021 में भी भारत के स्कोर में कोई सुधार नहीं हुआ और अब भी यह 40 ही बना हुआ है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2021 ने ताजा रिपोर्ट जारी की है, इस 180 देशों के भ्रष्टाचार धारण इस सूचकांक में भारत 2020 की तरह 2021 में भी 85 वें स्थान पर बना हुआ है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2021 में भारत का नंबर 40 है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अनुमानि चिन्हित उदाहरणों की करें तो, यहाँ कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण चिन्हित किये गये है, ड्यूटीके समय दफ्तर के कार्य छोड़कर अन्य निजी कार्य करना।अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को ना पढ़ाना, अपितु इधर उधर की बातों में समय नष्ट करना।दुकानदारों द्वारा ग्राहक को सामान बेचते समय वस्तुओं के मूल्य(दाम) व मात्रा में गड़बड़ी करना। पैसे लेकर अथवा देकर दस्तावेजों में जालसाजी व अमान्य गड़बड़ करना।कोर्ट कचहरी, बैंक, नगर निगम, पुलिस व अन्य प्रशासनिक ईकाओं द्वारा रिश्वत(पैसा) लेकर कार्य सिद्ध करना।डॉक्टरों द्वारा मरीज को मूर्ख बनाकर ऑपरेशन करना, गलत सलाह देना व मूल्य से अधिक दाम पर दवा बेचना।निजी संस्थान अथवा कंपनियों द्वारा ग्राहक को झूठी व गलत जानकारी देकर फ्रॉड करना। सरकार में मंत्रियों, सांसदों, विधायकों द्वारा सरकारी पैसों का दुरुपयोग कर स्वयं के लिए निजी स ंप ि त्त ा (प् ा ॅ प ट ी ॅ) खरीदना।प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नकली शराब वितरण में, जानवरों की तस्करी में, भू माफियाओं द्वारा भूमि अधिग्रहण आदि अन्य गैरकानूनी कार्यों में सहायता प्रदान करना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भ्रष्टाचार,रिटायरमेंट बाद जिंदगी लाचार। भ्रष्टाचारी लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई। भ्रष्टाचारी कमाई का बीज शरीर में फलकर वर्तमान और रिटायरमेंट के बाद ब्याज सहित वसूली करके ही जीव को छोड़ता है।

खोह की ढकोसला

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जाँजगीर-चांपा
(छत्तीसगढ़)

नींदो में खोये कल्पना लोक में
विचरण कर रहा हूँ।
दीर्घ श्वास भर-भर के,
स्वर्ग-नर्क को देख रहा हूँ।
सात्विक भोजन कर्म वाले,
सुख का आनंद ले रहे हैं।
तामसिक हिंसक प्रवृत्ति वाले,
यातनाएँ को झेल रहे हैं।
यह सभी घटनाएं
पृथ्वी लोक में हो रही है।
नेक-वद कर्मो की सजा,
आहिस्ते से मिल रही है।
इसी बीच खोह के घने अंधेरों में
प्रतिरूप निकला।
स्वयं जैसे रूप आकार,
निरखकर मेरा दिल दहला।
मैं गंभीर होकर
चिंतन के अब्धि में डूब गया।
पुनर्जन्म काल्पनिक
कथा की हिलोरे में भर गया।
फिर इसका वर्णन तो
किसी वेदों में नही है।
जिसका प्रथम विस्तार
भगवद्गीता में कही है।
जब उन्ही ग्रंथो में चौरासी लाख
योनियों का जिक्र है।
रंग-रंग के आडंबर से क्यों मोक्ष
मिलने का फिक्र है?
दशकर्म,जल तर्पण,
दान-दक्षिणा,गंगा अर्पण।
पूँछ पकड़कर नैया पार,
रजाई गद्दा खटिया बर्तन।
हँस विदा,बरसी,महालय,
ढकोसला नाना विधि कीर्तन।
और नही कोई दूजा लोक,
जो भरे पड़े ग्रंथों में भजन।
एक ही लोक मानुषों का,
जहाँ नेक कर्मो से भरे खदान।
जिसकी करनी वही भरे,
अथाह रीति दण्ड विधान।
भोर की शीतल पवन में,
करवट ले लेकर सो रहा।
खोह मे गुमराह करके,
लोगों को कर रहे अधमरा।
यह सब मनगढंत कथा है,
मानसिक गुलामी प्रथा है।
ज्यों जन फँसे चक्रव्यूह में,
कराहती जीवन व्यथा है।।

संतुलन साधने में बिखरी कूटनीति!

जब से रूस और यूक्रेन का युद्ध शुरू हुआ है अपनी अलग-अलग मजबूरियों के कारण भारत लगातार संतुलन साधने की कूटनीति कर रहा है और इस प्रयास में भारत की कूटनीति पूरी तरह से बिखर गई है। इसमें जो तारतम्य होना चाहिए, जिस तरह की बारीकियां होनी चाहिए और अपने हितों को पूरा करने की स्पष्ट सोच दिखनी चाहिए वह नहीं दिख रही है। एक अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव आया, जिसमें यूक्रेन के चार हिस्सों को रूस में मिला लेने का विरोध किया गया। रूस ने इस प्रस्ताव को वीटो कर दिया लेकिन हैरानी की बात है कि भारत ने इस प्रस्ताव पर वोटिंग से गैर-हाजिर रहने का विकल्प चुना। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि वही प्रस्ताव अब संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखने के लिए लाया गया तो रूस ने महासभा में गुप्त बैलेट से मतदान की मांग की, जिसको लेकर 10 अक्टूबर को वोटिंग हुई तो करीब एक सौ देशों के साथ भारत ने भी रूस के विरोध में वोट किया। हालांकि यह प्रक्रियागत मामले को लेकर वोटिंग थी, लेकिन भारत ने रूस का विरोध किया। और फिर महासभा में 12 अक्टूबर को वोटिंग की बारी आई तो फिर भारत वोटिंग से गैरहाजिर हो गया।

भारत पिछले आठ महीने से इसी तरह संतुलन बैठाने की कोशिश कर रहा है। आठ महीने में दो बार इसी तरह के मामलों में रूस के खिलाफ वोट किया और बाकी लगभग हर बार वोटिंग से गैरहाजिर रहा। भारत की कूटनीति इतनी रैंडम है कि कभी भारत के नेता और राजनयिक रूस को नसीहत देने लगते हैं तो कभी अमेरिका और यूरोप से लड़ने लगते हैं। समझ ही नहीं आता है कि भारत की कूटनीति किस दिशा में बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ देशों के सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की तो उनसे कहा कि युद्ध समाप्त होना चाहिए क्योंकि अभी युद्ध का समय नहीं है। हालांकि यह भी अजीब बात है क्योंकि कोई भी समय युद्ध का समय नहीं होता है और अगर कोई समय होता भी है तो वह कौन तय करेगा कि कब युद्ध का समय है? बहरहाल, पश्चिमी देशों ने प्रधानमंत्री की इस बात का समर्थन किया।

लेकिन फिर एक दिन भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपना ज्ञान देने लगे कि भारत और रूस की दोस्ती तब से है, जब अमेरिका और पश्चिमी देश भारत को हथियार नहीं देते थे, बल्कि उन्होंने भारत की बजाय एक सैन्य तानाशाही वाले देश पाकिस्तान को मदद करने के लिए चुना था। यह बात उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस में कही। सोचें, ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत भी क्वाड का हिस्सा है, जिसका गठन चीन की विस्तारवादी नीतियों का जवाब देने के लिए हुआ है और सब जानते हैं कि चीन और रूस किस तरह से आपस में जुड़े हुए हैं, ऑस्ट्रेलिया के सामने चीन का कैसा खतरा है और ऑस्ट्रेलिया किस तरह से पश्चिमी देशों का सहयोगी है। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के साथ प्रेस कांफ्रेंस में जयशंकर ने रूस से भारत की दोस्ती का राग छेड़ा और अमेरिका व पश्चिमी देशों पर निशाना साधा। इससे क्या हासिल हुआ या क्या हासिल होगा, यह कोई नहीं बता सकता है।

विदेश मंत्री से भी बड़े कूटनीति के जानकार भारत के पेट्रोलियम मंत्री हैं क्योंकि वे भी विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और जयशंकर से सीनियर हैं। सो, मौके बे मौके वे भी कूटनीति पर बयान देते रहते हैं। उन्होंने पिछले दिनों बिना किसी खास संदर्भ के कहा कि भारत को जहां से मर्जी होगी वहां से कच्चा तेल खरीदेगा। यह बात उन्होंने रूस से तेल खरीद के मामले में कही। हकीकत यह है कि भारत सरकार रूस से तेल नहीं खरीद रही है। अमेरिका की पाबंदी के बाद भारत की सरकारी कंपनियों ने बहुत कम कच्चा तेल रूस से खरीदा है। भारत की निजी पेट्रोलियम कंपनियों ने जरूर रूस से सस्ता तेल खरीद कर उसे दुनिया के बाजार में महंगा बेचा और मुनाफा कमाया लेकिन सरकारी कंपनियों की खरीद बहुत मामूली रही है। फिर भी पेट्रोलियम मंत्री पता नहीं किसको चिढ़ाने के लिए यह बयान दे रहे थे कि भारत को जहां से मर्जी होगी वहां से तेल खरीदेगा। अगर ऐसा ही मर्जी का मामला है तो इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम क्यों नहीं रूस से भरपूर सस्ता तेल खरीद रहे हैं और सरकार देश के लोगों को भी सस्ता तेल क्यों नहीं उपलब्ध करा रही है?

केंद्र सरकार के मंत्री और भाजपा के बड़े नेता प्रेस कांफ्रेंस करके दावा करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन का युद्ध रूकवा दिया था ताकि भारत के नागरिकों को यूक्रेन से निकाला जा सके। अगर ऐसा है तो भारत अपने इस असर का इस्तेमाल करके युद्ध खत्म कराने की पहल क्यों नहीं कर रहा है? इक्का दुक्का बयानों के अलावा भारत ने युद्ध खत्म कराने की कोई सक्रिय पहल नहीं की है। भारत ने कहा है कि वह शांति के हर प्रयास का समर्थन करने को तैयार है। लेकिन कैसे समर्थन करेगा? शांति का प्रयास कौन करेगा? भारत खुद क्यों नहीं पहल करता है? क्यों नहीं प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री रूसी प्रतिनिधियों से बात करते हैं, चीन और अमेरिका से बात करते हैं, यूरोपीय देशों से बात करते हैं और युद्ध खत्म कराने का ठोस प्रयास कर रहे हैं?

रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से यूरोप के कई देश मुश्किल में हैं। सर्दियां शुरू होने के साथ ही कई यूरोपीय देशों में भयंकर सर्दी और अंधेरे का शिकार होंगे, क्योंकि रूस पर लगी पाबंदियों की वजह से गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति बंद या बहुत मामूली आपूर्ति हो रही है। यूरोपीय देशों की तरह भारत के सामने भी बड़ा संकट है। रूस से कच्चा तेल खरीदने में अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों की बाधा है तो रूस की शह पर सउदी अरब और ओपेक देशों ने उत्पादन कम रखने का जो फैसला किया है उससे कच्चे तेल के दाम में बेहिसाब तेजी आनी तय है। अगर युद्ध बढ़ता है, जिसके आसार दिख रहे हैं तो तेल से लेकर अनाज तक हर चीज का संकट होगा। रूस ने जिस तरह से कर्च पुल टूटने के बाद यूक्रेन पर बमबारी की है और मिसाइल दागे हैं उससे युद्ध बढ़ने की संभावना है।

बेलारूस इस युद्ध में रूस की मदद कर रहा है और यूरोपीय देशों ने बेलारूस को भी पाबंदियों की चेतावनी दी है। इससे यह भी लग रहा है कि और देश इस युद्ध की चपेट में आएंगे या शामिल होंगे। परमाणु संयंत्रों पर हमले या परमाणु हमले का खतरा रियल दिख रहा है। सोचें, अगर युद्ध बढ़ता है तो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए कितना बड़ा संकट पैदा होगा। महंगाई कहां पहुंचेगी, रुपया कितना गिरेगा, विकास दर कितनी कम होगी, अनाज की कैसी कमी होगी और रोजगार का क्या अभूतपूर्व संकट होगा! ऐसे समय में संतुलन बनाने की भारतीय कूटनीति से न भारत को कुछ हासिल हो रहा है और न अंतरराष्ट्रीय शांति में कोई योगदान हो पा रहा है।

-अजीत द्विवेदी-

अगर इरादे बुलंद हो

अशोक पटेल आशू
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

अगर इरादे बुलंद हो तो
नामुमकिन भी मुमकिन हो जाते हैं।
अगर हसरतें जवान हो तो
सारे फासले पास-पास हो जाते हैं।
कहते हैं समंदर बहुत गहरा है
पर गहराइयाँ नापने किसने रोका है।
एक बार कोशिश करके तो देख
मोतियाँ पाने के लिए किसने रोका है।
आसमान बहुत ऊंचा लगता है
पर एक बार पत्थर उछाल के तो देख।
कौन कहता है तारे बहुत दूर है
एक बार हौसले की उड़ान भरके तो
देख।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

अपने पद पर बने रहने का अधिकार खो चुके हैं मुख्यमंत्री

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

. ईडी प्रेस नोट ने छत्तीसगढ़ में हो रहे भ्रष्टाचार के पैकेट की पोल खोल दी है। कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ के आदिवासियों, किसानों, आम जनता का मेहनत का पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है। उक्त बतें सोमवार को छत्तीसगढ़ में छापों एवं ईडी द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट के विषय पर संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में भाजपा के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकारी योजनाओं को देने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं हैं तो दूसरी तरफ सरकारी संरक्षण में भ्रष्टाचार सारी सीमाएं लांघ दी है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक काला अध्याय के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार के लिए पूरा रैकेट बनाया गया है जिसमें वरिष्ठ नौकरशाह, व्यापारी, राजनेता और बिचौलिए जुड़े हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में परिवहन किए गए प्रत्येक टन कोयले से 25 प्रति टन की अवैध वसूली की जा रही है। प्रतिदिन दो से तीन करोड़ रुपए जबरन वसूले जा रहे हैं। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से भाजपा के जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला

महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा, निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज, आलोक दुबे, जिला संवाद प्रमुख संतोष दास एवं जिला सह संवाद प्रमुख रूपेश दुबे उपस्थित थे।

रोजाना लगभग दो करोड़ की राशि की जबरन वसूली

उन्होंने कहा कि बिना किसी एसपीओ के 30 हजार से अधिक एनओसी जारी किए गए, आवक और जावक रजिस्टर का रख रखाव नहीं किया गया, अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट नहीं किया गया, ट्रांसपोर्टर का नाम, कंपनी का नाम जैसे कई विवरण खाली छोड़ दिए गए, लक्ष्मीकांत तिवारी के पास से डेढ़ करोड़ रुपए नगद बरामद किया गया जहां उसने स्वीकार किया कि वह रोजाना लगभग दो करोड़ की राशि जबरन वसूली करता था। लक्ष्मीकांत सीएम का खास है।

मुख्यमंत्री से मांगा इस्तीफा

अनिल सिंह मेजर ने प्रेस वार्ता के माध्यम से कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए सवाल उठाया है कि ईडी के प्रेस नोट में विस्तार से भ्रष्टाचार की प्रक्रिया जब्त की गई, बेहिसाब राशि, आभूषण, नगदी की जानकारी आने के बाद मुख्यमंत्री बघेल कब इस्तीफा देंगे, भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही लड़ाई में बाधा बनने के लिए मुख्यमंत्री बघेल क्या जनता से माफी मांगेंगे, क्या कांग्रेस सरकार अब यह बताएगी कि अधिकारियों, राजनेताओं और व्यापारियों का यह भ्रष्टाचार रैकेट 10 जनपथ दिल्ली में कितने रुपए पहुंचा रहा है, अधिकारियों के घर से नकदी आभूषण और अनेक बेहिसाब चीजें मिलने के बाद भी अब तक उन पर निलंबन की कार्यवाही क्यों नहीं हुई है तथा उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जो लोग सरकारी पदों पर या सरकार द्वारा मनोनीत है और जिन पर जांच हुई है उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया क्यों नहीं गया।

ग्रामीणों द्वारा वन भूमि पर अवैध कब्जा,वन विभाग मौन

-सोनू कश्यप-

प्रतापपुर ,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

एक तरफ वन विभाग जंगलों को बचाने तथा पौधे लगाने जगह जगह वन महोत्सव का आयोजन कर ग्रामीणों को प्रेरित कर रही है। वहीं पर दूसरी ओर हरे भरे बेशकीमती पेड़ों को काटकर उस जगह पर कब्जा करने का सिलसिला दिन ब दिन लोगों में बढ़ता जा रहा है। फिर भी इसे रोकने विभाग कारगर साबित नही हो रही है। यही वजह है कि कभी वृक्षों से आच्छादित घने जंगल आज वीरान होकर मैदान में तब्दील हो रहे हैं। वन परीक्षेत्र घुई के ग्राम बडवार ननहई बंधवा और किरीया नदी के ऊपर में के लगे जंगल में लगभग 100 से डेढ़ सौ एकड़ जमीन पर अवैध अतिक्रमण जारी है इस संबंध में ग्रामीणों ने कई बार वन विभाग के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी लेकिन वन विभाग के कर्मचारी बिल्कुल भी निष्क्रिय नजर आ रहे हैं जिससे वन विभाग के बड़े भूभाग में

अतिक्रमण जारी है जानकारी के अनुसार ग्रामीणों द्वारा पहले हरे भरे वृक्षों के निचले भाग के ऊपरी सतह में मौजूद छाल वाले भाग को टांगी से थोड़ा थोड़ा गहरानुमा काटकर अलग कर दिया जाता है जिससे वृक्ष के ऊपरी भाग में पानी, ऑक्सीजन सहित अन्य पोषक ततव नही जा पाता है। जिस कारण वृक्ष एक से दो माह में सूख जाता है। सूखने के बाद इसे काटकर गिरा दिया जाता है। कब्जाधारी ग्रामीणों में यह क्रम निरंतर जारी है।

घुई वन परिक्षेत्र में इस प्रकार के दर्जनों साल के वृक्षों को सूखने के लिये छोड़ दिया गया है जबकि वन भूमि पर कब्जा जमाने के लिये ग्रामीण जुताई कर रहे हैं। वन विभाग को जानकारी होते हुये भी इस पर अब तक कोई कार्यवाही नही की जा रही है। शासन जब से वन भूमि पर काबिज आदिवासी वर्ग के लोगों को पट्टा प्रदान कर रही है तब से आदिवासी वर्ग सहित अन्य वर्गो में वन भूमि पर कब्जा जमाने हरे भरे वृक्षों की अवैध कटाई करने की होड़ लगी है।

विश्वविद्यालय की लापरवाही के कारण छात्र हो रहे हैं परेशान

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

संभाग के सबसे बड़े विश्वविद्यालय संत गहिरा गुरु की एक और लापरवाही सामने आई है जहां 2021-22 सत्र की परीक्षा की अंकसूची छात्रों को अब तक प्राप्त नही करवाया गया है, विश्वविद्यालय के द्वारा विलम्ब किये जाने के कारण छात्र परेशान हो रहे हैं। रोजगार जैसे अन्य क्षेत्रों में बिना अंकसूची के छात्रों को अनुमति नही दी जा रही है। जिसको देखते हुए गैर राजनीतिक दल आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष प्रतिक गुप्ता द्वारा छात्रों के हित मे एक बार फिर साथ देखा गया। अंकसूची को जल्द से जल्द छात्र-छात्राओं को प्राप्त कराने हेतु कुलसचिव को ज्ञापन सौंपा गया साथ ही विशेष रूप से कुलसचिव को अवगत कराया गया की यदी मांग जल्द से जल्द पूरी नही होती है, तो संघ द्वारा छात्रों के साथ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। जिसपर कुलसचिव द्वारा आश्वासन दिया गया की छात्रों की ऑसूची की मांग को आने वाले कुछ ही दिनों में प्राप्त कराया जायेगा। इस दौरान संघ के आनंद पटेल, अभिनव चतुर्वेदी, रवि गुप्ता, अतुल गुप्ता ,अभिषेक साहू,प्रियांशु आदि उपस्थित रहे।

अध्यक्ष अभिषेक गुप्ता व उपाध्यक्ष पंकज गुप्ता के नेतृत्व में सिलौटा क्षेत्र के खेलों का हुआ शुभारंभ

-संवाददाता-

प्रतापपुर ,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

प्रदेश में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक चल रहे हैं व जॉन स्तर के खेल का आयोजन प्रदेश भर में हो रहा है ऐसे में सिलौटा जॉन के खेलों का भव्य सुभारंभ हुआ है है प्रथम दिवस में कबड्डी गिल्ली डंडा व बाटी के खेल का आयोजन हुआ । इसके अलावा दूसरे व तीसरे दिनों में क्रमशः खो खो पीठूल लंगड़ी दौड़ फुगड़ी गैंडी दौड़ भँवरा 100 मी दौड़ व लंबी कूद का आयोजन होना है । सिलौटा जॉन में 7 ग्राम पंचायत ने भाग लिया जो की शिवपुर ,खजूरी,बैकोना,सौंतार, सेमरा ,खैराडिह ने अपनी टीम के साथ अपना प्रदर्शन दिखाया । अभिषेक गुप्ता ने छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वकांक्षी योजना के लिए प्रदेश के

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वास्थ्य मंत्री टी एस बाबा तथा प्रतापपुर के विधायक व केबिनेट मंत्री प्रेमसाय सिंह जी को धन्यवाद ज्ञापित किया । इस दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव ज़ोन प्रभारी पीटीआई व सभी ग्राम पंचायत के अध्यक्ष व भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

एक महीने में तीन बार चोरों ने तोड़ा पान दुकान का ताला

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

गांधीनगर क्षेत्र के राज मोहनी भवन के समीप संजू पान पैलेस का ताला एक माह में तीन बार अज्ञात चोरों ने तोड़ डाला। बीती रात अज्ञात चोरों ने उक्त पान दुकान का ताला तोड़कर लगभग 20 हजार रुपए का सामान चोरी कर लिया। बार-बार हो रही चोरी की इस घटना से दुकान संचालक परेशान हो चुका है। सीसीटीवी फुटेज में 3 अज्ञात युवकों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देते हुए भी देखा गया है। एक माह के अंदर तीन बार दुकान का ताला टूटने कि इस घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाया है। जानकारी के अनुसार पीजी कॉलेज के समीप राज मोहनी भवन वाले मार्ग में स्थित संजू पान पैलेस के संचालक संजय सोनी ने बताया कि बीती रात उनकी दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लगभग 20 हजार रुपए का सिगरेट पाउच व अन्य सामान चोरी कर लिया। एक माह के अंदर उक्त दुकान में यह तीसरी बार चोरी की गई। पहली बार लगभग 20 हजार का सामान अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया था। दूसरी बार लगभग 15 हजार की चोरी की गई थी। इन सभी घटनाओं की रिपोर्ट दुकान संचालक में पुलिस को दी है।

32 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर प्रेमसाय सिंह के बंगला का घेराव

-संवाददाता-

प्रतापपुर ,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा 32 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर प्रतापपुर विधानसभा के विधायक डॉक्टर प्रेमसाय सिंह के बंगला का घेराव किया गया इस दौरान बंगला के पास मुख्य सड़क पर बैरिकेडिंग लगाकर भारी संख्या में उपस्थित थे । घेराव के लिए क्षेत्र के आदिवासी समुदाय के लोगों के साथ आए अजजा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती दीपिका नेताम को प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के आदिवासियों के हित में 32ल आरक्षण को यथावत रखने के लिए आवश्यक पहल किए जाने की मांग की ।

भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश संगठन के निर्धारित कार्यक्रम कें अनुसार क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं गृह मंत्री रामसेवक पैकरा की उपस्थिति एवं कार्यक्रम के प्रभारी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष थउलाराम के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय से प्रतापपुर विधानसभा के भाजपा अजजा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं क्षेत्र से आए आदिवासी समुदाय के लोग कांग्रेस के प्रदेश सरकार एवं स्थानीय विधायक डॉक्टर प्रेमसाय सिंह के विरोध में नारेबाजी करते हुए विधायक के निवास का घेराव किए । प्रेस से चर्चा के दौरान बताया ÷÷ छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल सरकार की आदिवासी विरोधी कार्यप्रणाली एवं लापरवाही के कारण आदिवासियों के 32लआरक्षण के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय को लेकर प्रदेश के कांग्रेस सरकार के के विरोध में छत्तीसगढ़ कांग्रेसी सरकार के स्थानीय विधायक एवं शिक्षा मंत्री डॉक्टर प्रेमसाय सिंह के निवास का घेराव करने जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस प्रशासन कार्यक्रम को लेकर काफी मुस्तैद थी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती दीपिका नेताम की उपस्थिति में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अमोलक सिंह ढिल्लों के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा मुख्य मार्ग में बैरिकेडिंग लगाकर घेराव के लिए आए कार्यकर्ताओं को बंगले तक पहुंचने से रोका गया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष लाल संतोष सिंह मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सतनारायण सिंह जिलाध्यक्ष सूरजपुर कौशल प्रताप सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम के प्रभारी मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष थउलाराम ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती दीपिका नेताम को छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी महामंत्री अवधेश पांडे भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता अजजा मोर्चा बलरामपुर के जिला उपाध्यक्ष लालू सिंह महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बलरामपुर शकुंतला पोर्ते अजजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजनाथ सिंह किसान मोर्चा अध्यक्ष चंद्रदेव सिंह भारतीय जनता युवा मोर्चा अध्यक्ष विजेंद्र कश्यप एवं प्रतापपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से आए भारतीय जनता पार्टी अजजा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित थे ।

निधन

अरविंद चक्रवर्ती

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022।

बनारस रोड निवासी व जिला व सत्र न्यायालय, अम्बिकापुर से सेवानिवृत्त कर्मचारी अरविंद चक्रवर्ती का निधन 15 अक्टूबर 2022 प्रातः 8.50 बजे मिशन अस्पताल अम्बिकापुर में हो गया। उसी दिनांक को शाम 7.30 उनकी धर्मपत्नी संध्या चक्रवर्ती का भी निधन हुआ। अंतिम संस्कार उनके जेष्ठ पुत्र आलोक चक्रवर्ती द्वारा मुक्तधाम शंकर घाट में किया गया। इस अवसर पर उनके समस्त रिश्तेदार, परिजन व काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

किसानों की परेशानियों को सरकार प्राथमिकता से करे दूरःकिशोर सिंह बघेल

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

भारतीय किसान संघ ने सभी जिला मुख्यालयों पर किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष किशोर सिंह बघेल ने कहा की सरकार यदि किसान हितैषी है तो किसानों की मांगों को तत्काल पूर्ण करें। विगत वर्षों में धान खरीदी को लेकर किसानों को बहुत सी परेशानियों का समाना करना पड़ा है सरकार ने प्राथमिकता से इन दिक्कतों को दूर करे। सरकार ने किसानों को घोषणा पत्र में भाजपा शासनकाल का दो वर्ष का बोनस देने की बात की थी परंतु सरकार जैसे उसे देना भूल गई है। सरकार कहती है जो कहते हैं वह करते हैं यह मात्र जुमला बन कर रह जायेगा। घोषित सिंचाई योजनाएं अभी तक अधूरी पड़ी हुई है, प्रदेश के पानी पर आज भी उद्योगों का अधिक अधिकार है

ऐसे में किसानों को आंदोलन के लिए बाध्य होना ही पड़ेगा। खाद की खुलेआम कालाबाजारी होना नामांतरण, फौतनामा एवं राजस्व के छोटे से छोटे कार्यों में होने वाला भ्रष्टाचार किसानों के साथ सीधा सीधा शोषण है। इसके अतिरिक्त किसानों की प्रमुख मांगें है लंबित सिंचाई परियोजनाओं को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए, कांग्रेस अपने घोषणा पत्र में उल्लेखित दो वर्ष का बोनस दे धान खरीदी प्रति 20 क्विंटल की जाए। गौवंश की व्यवस्था हेतु गौठानों को व्यवस्थित किया जाए। पैरादान हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने मजदूरी भुगतान एवं भाड़क्रय मनरेगा से जोड़कर दिया जाए। गौवंश को सुरक्षित करने पूरे प्रदेश में लंपी वायरस का टिकाकरण कराया जाए। नामांतरण एवं आपसी बंटवारे पर रजिस्ट्री शुल्क माफ किया जाए एवं इसे पूर्ववत ग्राम पंचायतों को इसका अधिकार दिया जाए। जैविक खेती से प्राप्त उपज की जांच हेतु प्रत्येक विकासखण्ड में लैब स्थापित की जाए एवं जैविक फसलों की खरीदी के लिए सभी जिलों में अलग मंडी की व्यवस्था की जाए। धान खरीदी में धान की किस्मों को चार श्रेणी में बांटा जाए मोटा, पतला, एच एम टी, सुगंधित। खाद परिक्षण हेतु सभी विकासखंडों में लैब स्थापित की जाए। रबी में बोई जाने वाली फसलों की भी खरीदी राज्य शासन द्वारा की जाए एवं गिरदावरी हो चुकी है ऐसे में किसानों का रकबा कृषि विस्तार अधिकारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर द्वारा पंजीयन कर दिया जाए किसानों को बेकार कार्यालयों के चक्कर ना लगाने पड़े। 6/4 के मुआवजे के लिए पुराने कानूनों में बदलाव किया जाए। धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन में भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री नवीन शेष, सरगुजा जिला अध्यक्ष किशोर सिंह बघेल, बुधराम, अनील बनवासी, मुनेश्वर राजवाड़े, बबलू नामदेव, पंकज राजवाड़े, धीरज शर्मा, पूरन राजवाड़े, धरम राजवाड़े, लालमणी राजवाड़े आदि किसान उपस्थित रहे।

जटिल प्रक्रिया के कारण मरीजों को नहीं मिल पा रहा आयुष्मान योजना का लाभ

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

. जटिल प्रक्रिया के कारण ग्रामीण क्षेत्र के कई मरीज आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। ऐसे में उन्हें आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान होना पड़ता है। विशेष कर सरगुजा संभाग के ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को उस समय आयुष्मान कार्ड का लाभ नहीं मिल पाता है जब उन्हें जटिल बीमारी से जुझ रहे हैं और उन्हें इस योजना का अति आवश्यक होता है। संभाग के कई ग्रामीण क्षेत्र से मरीज इलाज कराने मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचते हैं। यहां मरीजों को इलाज के लिए भर्ती भी कर लिया जाता है। अगर कई ऐसे मरीज होते हैं उन्हें गंभीर बीमारी के कारण रायपुर या बिलासपुर रेफर करना पड़ता है। ऐसे स्थिति में मरीज व उनके परिजन रेफर कराने के बाद सीधे रायपुर के लिए निकल जाते हैं। जब उन्हें रायपुर या बिलासपुर के अस्पतालों में भर्ती कराने के बाद आयुष्मान कार्ड से इलाज की आवश्यकता पड़ती है तो उन्हें पता चलता है कि पूर्व में जहां इलाज करा रहे थे वहां से आयुष्मान कार्ड योजना को बंद नहीं कराया गया है। ऐसे में ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता है और उन्हें मजबूरी में आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। लगातार इस तरह की समस्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिह ने तीन कर्मचारियों की नियुक्ति की है। अगर कोई भी मरीज मेडिकल कॉलेज अस्पताल से रेफर होने पर ये तीनों कर्मचारी गंभीरता पूर्वक मरीज का स्मार्ट कार्ड यहां से बंद कराने के बाद ही मरीजों को रेफर किया जाएगा।

हर दिन आयुर्वेद हर घर आयुर्वेद का संदेश कार्यक्रम हुआ संपन्न

संवाददाता-

लखनपुर ,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

कार्यक्रम संचालक आयुष रायपुर एवं जिला आयुर्वेदिक अधिकारी अंबिकापुर के निर्देशानुसार आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ यूके साहू के नेतृत्व में लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुन्नी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 17 अक्टूबर दिन सोमवार को हर दिन आयुर्वेद हर घर आयुर्वेद का संदेश कार्यक्रम आयोजित की गई। आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ यूके साहू ने उपस्थित अध्यापकों स्टाफो व छात्र छात्राओं को आयुर्वेद के बारे में तथा आयुर्वेदिक आहार विधि योगासन के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ यूके साहू ने

बताया कि यदि हम आयुर्वेद को अपनी जीवनशैली में अपनाये तो न केवल रोगों को दूर किया जा सकता है अपितु शरीर को भी स्वस्थ बनाया जा सकता है। स्कूली छात्र-छात्राओं के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जा रहा। स्कूली छात्र छात्राएं अपने घर जाकर परिजनों सहित पड़ोसियों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करते हुए सरकार द्धारा दिए गए नारे हर घर आयुर्वेद हर दिन आयुर्वेद को अपनाएंगे। साथ ही आयुष फार्मासिस्ट विनोद कुमार के द्वारा उपस्थित छात्र छात्राओं को किचन में मौजूद छोटी मोटी घरेलू नुक्से बताते हुए प्राकृतिक में निहित शक्ति समृद्धि संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य व अध्यापकों का सराहनीय सहयोग रहा।

किसानों,पशुपालकों व मजदूरों के खाते में राशि अंतरित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सोमवार को विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों, पशुपालकों व भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में किश्त की राशि का अंतरण किया। इसके साथ ही समर्थन मूल्य में उडद, मूंग व अरहर की खरीदी तथा सरलीकरण पोर्टल का शुभारंभ किया गया। राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त अंतर्गत जिले के 49083 किसानों 39 करोड़ 21 लाख रुपये, गोधन न्याय योजना अंतर्गत गोबर खरीदी की 53 वी किश्त के रूप में 1729 पशुपालकां को 10 लाख 65 हजार रुपये तथा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना अंतर्गत 5137 भूमिहीन मजदूरों के खाते में 1 करोड़ 38 लाख रुपये का अंतरण किया गया। इस अवसर पर

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के योजना के लाभार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी प्रतिक्रिया से अवगत हुए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त की राशि किसानों को तथा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर योजना अंतर्गत मजदूरों के खाते में दूसरी किश्त की राशि का अंतरण दीपावली से पहले किया जा रहा है ताकि दीपावली की अच्छी तैयारी कर खुशी के साथ माना सके। उन्होंने कहा कि राज्य शासन ने अधिकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में भी इसी महीने से 5 प्रतिशत की बढोत्तरी की है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना लागू कर मजदूरों को सालाना 7 हजार रुपये देने वाला देश का पहला राज्य छत्तीसगढ़ है। राज्य में कोदो-कुटकी को समर्थन मूल्य में खरीदने वाला राज्य भी छत्तीसगढ़ ही है।

CMYK

भारत में 15 साल में 41.5 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी सूचकांक गरीबी से बाहर निकलेः संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2022। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि वर्ष 2005-06 से लेकर 2019-21 के बीच भारत में करीब 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और इस मामले में एक ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिला है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल (ओपीएचआई) की तरफ से सोमवार को जारी नए बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) में भारत के गरीबी उन्मूलन प्रयासों की सराहना की गई। इसके मुताबिक वर्ष 2005-06 से लेकर 2019-21 के दौरान भारत में 41.5 करोड़ लोग गरीबी के चंगुल से बाहर निकलने में सफल रहे।

एमपीआई रिपोर्ट में इस कामयाबी को सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक उल्लेखनीय प्रयास बताया गया है। रिपोर्ट कहती है, यह दर्शाता है कि वर्ष 2030 तक गरीबों की संख्या को आधा करने के सतत विकास लक्ष्यों को बड़े पैमाने पर हासिल कर पाना संभव है। संयुक्त राष्ट्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस रिपोर्ट का विवरण देते हुए कहा कि भारत में इन 15 वर्षों के दौरान करीब 41.5 करोड़ लोगों का बहुआयामी गरीबी के चंगुल से बाहर निकल पाना एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, सतत विकास लक्ष्यों के नजरिये से भारत का मामला अध्ययन करने लायक है। यह गरीबी को पूरी तरह से खत्म करने और गरीबी में रहने वाले सभी पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों की संख्या को वर्ष 2030 तक आधा करने के बारे में है।

रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2020 में भारत की जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से 22.89 करोड़ गरीबों की संख्या दुनिया भर में सर्वाधिक है। भारत के बाद 9.67 करोड़ गरीबों के साथ नाइजीरिया इस सूची में दूसरे स्थान पर है। इसके मुताबिक, जबर्दस्त कामयाबी मिलने के बावजूद 2019-21 के इन 22.89 करोड़ गरीबों को विपन्नता के दायरे से बाहर निकालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि आंकड़ा जुटाए जाने के बाद यह संख्या निश्चित रूप से बढ़ी ही है। गौर करने वाली बात यह है कि 2019-21 में भारत में 9.7 करोड़ बच्चे गरीबी के चंगुल में थे जो कि किसी भी अन्य देश में मौजूद कुल गरीबों की संख्या से भी अधिक है। इसके बावजूद बहुआयामी नीतिगत नजरिया यह बताता है कि समेकित हस्तक्षेप से करोड़ों लोगों की जिंदगी बेहतर बनाई जा सकती है।

हालांकि इस रिपोर्ट में कहा गया है कि तमाम प्रयासों के बावजूद भारत की आबादी कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों और खाद्य एवं ईंधन की बढ़ती कीमतों के प्रति कमजोर बने हुए हैं। पौष्टिक खानपान एवं ऊर्जा कीमतों से निपटने के लिए जारी समेकित नीतियों को प्राथमिकता दिए जाने की वकालत भी की गई है। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के गरीबी पर प्रभाव को पूरी तरह से नहीं आंका गया है।

कर्नाटक बैंक की दो डिजिटल बैंकिंग इकाइयों ने शुरू किया परिचालन

कर्नाटक , 17 अक्टूबर 2022। कर्नाटक बैंक की दो डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) ने रविवार को काम करना शुरू कर दिया। एक विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न बैंकों के 75 डीबीयू को राष्ट्र के लिए समर्पित किया। इनमें कर्नाटक बैंक के ये दोनों डीबीयू भी शामिल हैं। डीबीयू एक प्रभावी, कागज रहित, सुरक्षित, जुड़े वातावरण में काम करेंगे जहां वे उपभोक्ताओं को स्वयं सेवा और सहायता (डिजिटल) मोड दोनों में बैंकिंग सामान और सेवाएं प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त डीबीयू संबंधित जिले में वित्तीय समावेशन और डिजिटल बैंकिंग साक्षरता को भी बढ़ावा देंगे। बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन एम एस महाबलेश्वर ने

एक समारोह मेंकहा कि यह गर्व की बात है कि दो डीबीयू खोलने के लिए बैंक को चुना गया है। उन्होंने कहा कि यह एक खास सम्मान है क्योंकि बैंक अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, आज के भाव

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2022। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत के 95 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ जाने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दामों में सोमवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.74 प्रतिशत बढ़कर 92.31 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 86.21 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं।

सावधान

नकली विंडो 10 यूजर्स को लक्षित कर रहा है रैंसमवेयर, साइबर सुरक्षा शोधकर्ताओं ने किया खुलासा

नई दिल्ली ,17 अक्टूबर 2022। एक रैंसमवेयर अभियान नकली विंडोज 10 और एंटीवायरस इंस्टॉल के माध्यम से सॉफ्टवेयर अपडेट के रूप में घरेलू उपयोगकर्ताओं को लक्षित कर रहा है। साइबर सुरक्षा शोधकर्ताओं ने यह खुलासा किया है। एचपी थ्रेट रिसर्च टीम ने खुलासा किया कि मैग्नीबर नाम का रैनसमवेयर अभियान पीड़ितों से उनके डेटा को अनलॉक करने के लिए 2,500 डॉलर की मांग कर रहा है। भले ही मैग्नीबर %बिग गेम हंटिंग' की श्रेणी में नहीं आता है, फिर भी यह काफी नुकसान पहुंचा सकता है।

सुरक्षा शोधकताओं ने नोट किया, समर्थित ऑपरेटिंग सिस्टम संस्करणों और यूएसी बाईपास के आधार पर घरेलू उपयोगकर्ता इस मैलवेयर के संभावित लक्ष्य थे।

हमलावरों ने सुरक्षा और पहचान तंत्र से बचने के लिए चतुर तकनीकों का इस्तेमाल किया। यूएसी बायपास के साथ, मैलवेयर संक्रमित सिस्टम की शेडो कॉपी फाइलों को हटा देता है और बैकअप और पुनर्प्राप्ति सुविधाओं को अक्षम कर देता है, जिससे पीड़ित को विंडोज टूल्स का उपयोग करके अपना डेटा पुनर्प्राप्त करने से रोकता है।

संक्रमण श्रृंखला एक हमलावर-नियंत्रित वेबसाइट से वेब डाउनलोड के साथ शुरू होती है। उपयोगकर्ता को एक जिप फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है जिसमें एक जावास्क्रिप्ट फाइल होती है जो एक महत्वपूर्ण एंटीवायरस या विंडोज 10 सॉफ़्टवेयर अपडेट होने का दावा करती है। घरेलू उपयोगकर्ता इस सरल सलाह का पालन करके इस तरह के रैंसमवेयर अभियानों से अपनी रक्षा कर सकते हैं।

एचपी सुरक्षा टीम ने कहा कि घरेलू उपयोगकर्ताओं को केवल विश्वसनीय स्रोतों से सॉफ़्टवेयर अपडेट डाउनलोड करना चाहिए क्योंकि अभियान लोगों को नकली सॉफ़्टवेयर अपडेट खोलने के लिए धोखा देने पर निर्भर करता है। उन्होंने सुझाव दिया, अपने डेटा का नियमित रूप से बैकअप लें। अपने डेटा का बैकअप लेने से आपको मानसिक शांति मिलेगी।

सेसमी वर्कशाप इंडिया ने एचबीसीसी से मिलकर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की

मुंबई ,16 अक्टूबर 2022। ग्लोबल हैंडवाशिंग डे पर गैर लाभकारी शैक्षणिक मीडिया संगठन सेसमी वर्कशाप इंडिया ने स्वच्छता और व्यवहार परिवर्तन गठबंधन जो कि यूनिलीवर और ब्रिटेन सरकार के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के बीच एक गठबंधन है के सहयोग से एक अभियान शुरू किया जिससे स्वच्छता और रोगों की रोकथाम वाली आदतों के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके।

संगठन ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह बहु-माध्यम अभियान ग्लोबल हैंडवाशिंग डे के थीम %एच इज हैंडवाश' का समर्थन करता है। अभियान के एक हिस्से में, सेसमी वर्कशाप इंडिया ने हिंदी, मराठी, तेलुगु और तमिल में वीडियो, पोस्टर और ई-पुस्तकों जैसे सरल किंतु आकर्षक आनलाइन प्रचार सामग्री का विकास किया है। यह सामग्री सोशल मीडिया, यूट्यूब, रेडियो और समुदायों में प्रत्यक्ष सेवाओं के माध्यम से तमाम परिवारों तक पहुंचेगी। स्कूलों में साबुन के ब्रांड लाइफबॉय के सहयोग से सेसमी स्ट्रीट के अनोखे डिजिटल खेल %एच फॉर हैंडवाशिंग' का एक नया हिंदी वर्जन भी वितरित किया जाएगा। इस अभियान के केंद्र में रंग-बिरंगे, प्रिय सीसमे के मपेट्स (कठपुतलियां) हैं, जो युवा बच्चों और परिवारों के सामने स्वास्थ्य और स्वच्छता की सकारात्मक आदतो का प्रदर्शन करते हैं।

रात को बार-बार जाना पड़ता है पेशाब? कहीं ये गंभीर बीमारियों का संकेत तो नहीं

शरीर में होने वाली सभी प्रकार की क्रियाओं का सीधा असर हमारी सेहत से होता है, ऐसे में कुछ भी अगर सामान्य से अधिक या कम हो रहा हो तो उसपर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता होती है। पेशाब की इच्छा के साथ भी ऐसा ही है। बार-बार पेशाब की इच्छा होना, विशेषकर रात के समय होने वाली यह समस्या कई प्रकार के स्वास्थ्य विकारों का संकेत हो सकती है। इसमें से कुछ को गंभीर बीमारियों के तौर पर भी जाना जाता है। क्या आपको भी रात में दो -तीन बार पेशाब जाने की इच्छा महसूस होती रहती है? अगर हां तो सावधान हो जाइए।

रात में एक बार पेशाब जाना सामान्य माना जाता है पर अगर आपको बार-बार पेशाब की इच्छा हो रही है, इसके कारण आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है तो इस स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देते हुए किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

बार-बार पेशाब आना डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर स्वास्थ्य विकारों का संकेत हो सकता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो समय रहते किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। आइए जानते हैं कि बार-बार पेशाब जाने की इच्छा के क्या कारण हो सकते हैं, यह स्थिति कितनी गंभीर मानी जाती है?

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

बार-बार पेशाब जाने की इच्छा

को नोक्टूरिया कहा जाता है, इसके दो संभावित कारण हो सकते हैं। ब्लेडर की कमजोरी या सामान्य से अधिक मूत्र का उत्पादन होना। यह स्थितियां कई कारणों से हो सकती हैं। डायबिटीज से लेकर हृदय रोगों तक के लक्षणों में भी नोक्टूरिया की समस्या को एक कारण के रूप में देखा जाता है। इस तरह के संकेतों को अनदेखा नहीं करना चाहिए।समय रहते डॉक्टर से सलाह लेकर स्थिति की सही निदान और उपचार किया जाना आवश्यक है वरना यह गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।

ब्लड प्रेशर बढ़ने का लक्षण

जापानी सर्कुलेशन सोसाइटी की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में प्रस्तुत साल 2019 के एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग रात में एक से अधिक बार बाथरूम करने के लिए जागते थे, उनमें उच्च रक्तचाप होने की आशंका 40 प्रतिशत अधिक हो सकती है। वैसे तो इसे हाई ब्लड प्रेशर के पुख्ता कारण के तौर पर नहीं जाना जाता है पर इसे संभावित खतरा जरूर मान

सकते हैं। हाई ब्लड प्रेशर के कारण हृदय रोगों का जोखिम हो सकता है, ऐसे में इस समस्या के बारे में तुरंत डॉक्टरी सलाह प्राप्त करें।

डायबिटीज को हो सकता है संकेत

मधुमेह की स्थिति में भी बार-बार पेशाब जाने की इच्छा महसूस होती रह सकती है। डायबिटीज में अतिरिक्त ग्लूकोज या ब्लड शुगर आपकी किडनी में जाता रहता है जिसके कारण पेशाब महसूस होती रह सकती है। यदि आपको भी इस प्रकार की दिक्कत है तो पेशाब की जांच जरूर करा लें। डायबिटीज की स्थिति पर ध्यान न देने के कारण किडनी और शरीर को अन्य की अंगों पर गंभीर दुष्प्रभाव हो सकता है। इस तरह के लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान दें।

बदलते मौसम में बीमार होने से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

बदलता मौसम में बीमार होने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन अगर आप चाहें तो इस धारणा को बदल सकते हैं। दरअसल, बदलते मौसम की मार उन्हीं लोगों को झेलनी पड़ती है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि आप किस तरह से खुद को बदलते मौसम में बीमार होने से बचा सकते हैं ताकि आप दिवाली जैसे आने वाले त्योहारों का जमकर लुत्फ उठा सकें।

बदलते मौसम में हम बीमार क्यों पड़ते हैं?

कई विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम परिवर्तन के दौरान बीमारी होने का प्रमुख कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना है। इसके अलावा, जब भी मौसम में बदलाव होता है तो कई तरह के वायरस तेजी से हमला करने लगते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि होती है। इसलिए विशेषज्ञ रोग

प्रतिरोधक को मजबूत करने वाली बात पर ज्यादा जोर देते हैं।

क्या हैं मौसमी बीमारियों के लक्षण?

बहती नाक, गले में खराश, ठंड लगना, शारीरिक दर्द और बुखार होने सबसे आम लक्षण हैं जो आप मौसमी बीमारी के दौरान अनुभव कर सकते हैं। कुछ लोगों को इसके कारण थकान और चक्कर आने की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि बीमारी के दौरान शरीर को रोजाना के कार्य करने और तापमान बनाए रखने के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इस दौरान होने वाला तेज बुखार किसी गंभीर स्थिति का संकेत दे सकता है।

बदलते मौसम में बीमार होने से कैसे बचें?

अगर आप बदलते मौसम के नकारात्मक प्रभाव से बचना चाहते हैं तो आपको रोजाना संतुलित आहार का सेवन करना चाहिए और रोजाना पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। इसके अलावा, नियमित रूप से एक्सरसाइज करनी चाहिए, क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती और शारीरिक ऊर्जा बढ़ाने में सहायक है। पानी की खपत बढ़ाएं, फिर चाहे मौसम कोई भी हो। हमेशा 2.5 लीटर से अधिक पानी का सेवन करें। रोजाना सुबह कुछ मिनट धूप में रहें।

बदलते मौसम के दौरान अपने शरीर को समझें

बदलते मौसम में अपने शरीर पर अतिरिक्त ध्यान दें। उदाहरण के लिए देर शाम या रात को नहाना बंद कर दें, मौसम के हिसाब से ऊनी कपड़े पहनें, एयर कंडीशनर को चालू न करें और ठंडे पानी का सेवन करने से बचें।

बीमार पड़ने पर क्या करें?

अगर आप पहले से ही बदलते मौसम के कारण बीमार पड़ चुके हैं तो डॉक्टर से परामर्श करना सबसे अच्छा है। हालांकि, आप घरेलू उपचार के रूप में गर्म पानी पीना और फल खाना शुरू कर सकते हैं। जिंक और विटामिन- सी, विटामिन- डी और विटामिन- ए जैसे पोषक तत्वों से युक्त पौष्टिक भोजन करें। समय-समय पर अपने शरीर के तापमान की जांच करते रहें और दूसरों से दूरी बनाए रखने समेत पर्याप्त आराम करें।

शरीर में हो रही है खुजली तो नीम के तेल के साथ लगाए यह चीज

आजकल कई लोग खुजली से परेशान रहते हैं। जी हाँ, खुजली होने की समस्या ऐसी है कि किसी के सामने अगर एक बार व्यक्ति शरीर खुजाने लगे तो उसे शर्म से लाल होना पड़ता है। जी हाँ, लेकिन इस शर्मिंदगी से बचने के लिए लोग खुजाए बिना दर्द सहने पर भी मजबूर हो जाते हैं। आपको बता दें कि खुजली छोटे जीवाणुओं के कारण हो सकती है जो शरीर पर खुजली के साथ-साथ जलन और फुंसी जैसे रैशेज की भी वजह बनते हैं। इसके अलावा कई बार खुजली फैलने वाली भी होती है जिसके चलते घर में किसी एक को हुई खुजली सब में फैल जाती है। जी दरअसल ज्यादातर उंगलियों, गर्दन, कलाई, पैरों और कमर के निचले हिस्से से खुजली शुरु होती है, इस वजह से इसे रोकने के लिए कुछ घरेलू उपायों को आजमा लेना चाहिए। आइए बताते हैं उन घरेलू उपायों के बारे में।

नीम - नीम को खुजली पर बेहद असरदार माना जाता है। जी हाँ और आप शरीर पर नीम की पत्तियों को पीस कर भी लगा सकते हैं या इसके तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल नीम के एंटी बैक्टीरियल

गुण खुजली को कम करते हैं।

हल्दी - हल्दी को नीम के तेल में मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इस पेस्ट को खुजली वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा - खुजली वाली जगह पर एलोवेरा लगाने पर राहत महसूस होती है। जी दरअसल यह खुजली को फैलने से रोकता है। एलोवेरा को स्किन पर लगभग आधा घंटा लगाए रखने के बाद धो लें।

लौंग का तेल - लौंग खुजली के दानों को कम करने में मदद करते हैं। हालाँकि इसको लगाते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

नारियल का तेल - शरीर पर नारियल का तेल लगाने पर खुजली में आराम मिलता है। जी हाँ और इसी के साथ ही नारियल का तेल लगाने पर आपको ठंडक भी महसूस होगी।

क्यों बंद हो गया था विधायक के मुंह पर ही दरवाजा,मामला स्वास्थ्य मंत्री के दौरे से जुड़ा हुआ ?

» स्वास्थ्य मंत्री अपने खास समर्थक के बुजुर्ग पिता से मिलने पहुंचे चिरमिरी।

» चिरमिरी में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव समर्थक विनय उपाध्याय ने स्वास्थ्य मंत्री का कराया भव्य स्वागत।

» मंत्री टीएस ने जलाए दीप,ब्राह्मणों को परोसा भोग।

» विधायक विनय के मुंह पर दरवाजा बंद होने की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री दरवाजा खुलवा विधायक को बुलाया अपने पासःसूत्र।

» खास समर्थक विनय के नेतृत्व में हुआ भव्य आयोजन,वहीं विधायक विनय के लिए बनी फजीहत।

» टीएस सिंहदेव संकट मोचन मंदिर में टेका माथा छठ घाट पर पहुंच मांगी मन्नत।

» संकट मोचन महिला मंडल समिति को एक लाख रुपए देने की घोषणा की।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/चिरमिरी 17 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

कोरिया जिला विभाजन के बाद पहली बार पहुंचे नवीन जिला एमसीवी के चिरमिरी नगर निगम पालिका क्षेत्र में जहां पर उन्हें उनके

खास समर्थक विनय उपाध्याय ने 1 महीने पहले ही बुलाया था क्योंकि उनके बुजुर्ग पिता राजा से मिलने की जताई थी इच्छा, उनके बुजुर्ग पिता से मिलने टीएस पहुंचे विनय उपाध्याय के आवास जहां उनके परिवार के साथ उन्होंने बिताया घंटों अपना बहुमूल्य वक्त और उनके पिता की इच्छा अनुरूप उन से की मुलाकात, इस दौरान कुछ ऐसा हुआ जो वहां की स्थानीय विधायक के लिए काफी शर्मनाक रहा, सूत्रों की माने तो किसी कार्यकर्ता ने विधायक के मुंह के सामने ही दरवाजा बंद कर दिया जिस वजह से विधायक घर के बाहर ही खड़े रह गए, जैसे यह जानकारी विनय उपाध्याय व बाबा साहब को लगी उन्होंने तुरंत दरवाजा खुलवा डॉ विनय जयसवाल को अंदर बुलाया जिस घटना को लेकर विधायक का मुंह दिनभर बना रहा।

चिरमिरी संकट मोचन मंदिर में विनय उपाध्याय द्वारा आयोजित एक दिवसीय सुंदरकांड में शामिल वे स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव हनुमान जी के समक्ष अखंड दीप को निरंतर प्रज्वलित करने के लिए स्वयं दीप में तेल प्रवाह किया। साथ ही ब्राह्मणों के भोज कार्यक्रम में अपने हाथों से भोग परोसा। उन्होंने संकट मोचन महिला मंडल समिति को एक लाख रुपए अनुदान की घोषणा की। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने क्षेत्र के ट्रांसपोर्टर व ठेकेदार विनय उपाध्याय के वयोवृद्ध समाजसेवी पिता मुक्ति नाथ उपाध्याय से मुलाकात की। इसके बाद नगर पालिका निगम सभापति गायत्री बिरहा व ब्लॉक कांग्रेस चिरमिरी के पूर्व अध्यक्ष शंकर राव के निवास स्थान पहुंचकर मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान महापौर कंचन जायसवाल, पूर्व महापौर के डोमरु रेड्डी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभाष कश्यप, श्रमिक नेता बजरंगी शाही, राम अवतार अलगमकर, कमलेश सिंह, युवा नेता गोपाल द्विवेदी, राकेश श्रीवास्तव, शिवांश जैन, राहुल पटेल, हैप्पी बधावान आदि शामिल रहे।

सीजीएमएसपी से दवा खरीदें: सिंहदेव

जिला विभाजन के बाद पहली बार दौरे पर पहुंचे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने पटना तहसील में कांग्रेसियों ने भव्य स्वागत किया। यहां से स्वास्थ्य मंत्री सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधा का जायजा लिया। नवीन जिला एमसीवी के दौरे पर जा रहे स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव शनिवार को तहसील पटना पहुंचने पर कोरिया जिले के कांग्रेसियों ने पारंपरिक और शैला नृत्य से स्वागत किया। यहां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस सचिव योगेश शुक्ला, एके श्रीवास्तव, विनोद गुप्ता, जीवन दीप समिति के अशोक पांडये, विनोद शर्मा, चंद्र प्रकाश राजवाड़े शामिल रहे।

समाज ने किया स्वागत-

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के हनुमान मंदिर में आगमन पर चिरमिरी कायस्थ समाज के सदस्यों ने उनका स्वागत शॉल व श्रीफल से किया। इस दौरान राजेश्वर श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, राजीव वर्मा, राकेश श्रीवास्तव, प्रेम लाल श्रीवास्तव, बृज भूषण श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

भाजपा ने प्रवर्तन निदेशालय के छापामार कार्यवाही पर प्रदेश मुखिया से माँगा इस्तीफा

-संवाददाता-

कोरबा , 17 अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

भाजपा कार्यालय टीपी.नगर कोरबा में लखनलाल देवांगन (प्रदेश उपाध्यक्ष), ननकीराम कंवर (पूर्व गृह मंत्री व रामपुर विधायक),डॉ. राजीव सिंह (जिलाध्यक्ष) प्रेस वार्ता कर प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि ईडी के प्रेस नोट ने छत्तीसगढ़ में हो रहे बड़े भ्रष्टाचार के रैकेट की पोल खोल कर रख दी है।एक तरफ जहां सरकार द्वारा किसी तरह का भ्रष्टाचार नहीं किये जाने राग गाया जा रहा वहीं प्रवर्तन निदेशालय के छापामार कार्यवाही सरकार द्वारा गाया जा रहा राग को ध्वस्त कर दिया

गया है ढ्ढ प्रेस वार्ता में लखनलाल देवांगन (प्रदेश उपाध्यक्ष) ने कहा के कभी सोचा भी नहीं था कि कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ के आदिवासियों का, किसानों का ,आम जनता का मेहनत का पैसा, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जाएगा। एक तरफ सरकारी योजनाओं को देने के लिए सरकार के पास पैसे नहीं और दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में सरकारी संरक्षण भ्रष्टाचार के अपनी सारी सीमाएं लांघ दी है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास के लिए एक काला अध्याय बनकर सामने

आया है । बड़े दुर्भाग्य का विषय है के कांग्रेस के शासन में भ्रष्टाचार के लिए पूरा रैकेट बनाया गया है, जिसमें वरिष्ठ नौकरशाह, व्यापारी, राजनेता और बिचौलिए जुड़े है और छत्तीसगढ़ राज्य में परिवहन किए गए प्रत्येक टन कोयले से 25 रुपये प्रति टन की अवैध वसूली कर रहे हैं। प्रतिदिन 2 से 3 करोड रुपये जबरन वसूली किया जा रहा था। ईडी के प्रेस नोट का हवाला देते हुए कहा गया के ईडी ने करीब 4.5 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी, सोने के आभूषण, सराफा और करीब दो करोड़ रुपये मूल्य के अन्य कीमती सामान जब्त किए हैं।इस दौरान ये भी कहा गया के प्रदेश सरकार द्वारा भ्रष्टाचार करने के लिए बकायदा नियम बदले गए, कोयले को खदानों से उपयोगकर्ताओं तक मैनुअल जारी करने के लिए ई-परमिट की पूर्व ऑनलाइन प्रक्रिया को संशोधित किया गया था। अनापत्ति प्रमाण पत्र इस संबंध में कोई एसओपी या प्रक्रिया परिचालित नहीं की गई । भ्रष्टाचार किस प्रकार से, किस प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है इसकी भी विस्तार जानकारी ईडी ने अपने प्रेस नोट में दी है। दिनांक 15.7.22 से बिना किसी एसओपी के 30,000 से अधिक एनओसी जारी किए गए । आवक और जावक रजिस्टरों का रखरखाव नहीं किया गया, साथ ही अधिकारियों की भूमिका पर कोई स्पष्टता नहीं है। ट्रांसपोर्टर का नाम, कंपनी का नाम आदि जैसे कई विवरण खाली छोड़ दिए गए जो अत्यंत महत्वपूर्ण था । तलाशी एवं जांच के दौरान लक्ष्मीकांत तिवारी के पास से 1.5 करोड़ रुपये नकद बरामद किया गया। उसने स्वीकार किया कि, वह रोजाना 1-2 करोड़ की जबरन वसूली करता था । जिन अधिकारियों की शिकायत को आधार बनाकर मुख्यमंत्री ईडी पर कार्रवाई की बात कर रहे हैं उनके घर 47 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी और 4 किलो के सोने के आभूषण पाए गए। प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ये बताएं के ये पैसा उनके पास कहाँ से आयढ्ढ और जिन अधिकारीयों के यहाँ से बेहिसाब पैसे और सोना मिलढ्ढ उन पर अब तक निलंबन की कार्यवाही क्यों नहीं हुई है साथ ही ईडी के प्रेस नोट में विस्तार से भ्रष्टाचार की प्रक्रिया, जब्त की गई बेहिसाब राशि आभूषण, नकदी की जानकारी आने के बाद भी माननीय मुख्यमंत्री कब देंगे इस्तीफा ?.

2023 में कांग्रेस सरकार का सफाया तय,बन रही है भाजपा सरकार:रवि भगत

भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष रवि भगत का कोरिया ने भव्य आतिशी स्वागत।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंचल के नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक मोटरसाईकिल रैली।

अराजकता व भर्ष्टाचार के खिलाफ भूपेश सरकार का किया पुतला दहन,रसोईया संघ के मांगो का किया समर्थन।

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 17 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत जी का कोरिया जिला मुख्यालय आगमन पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष अंचल राजवाड़े की अगुवाई में जोरदार ढोल नगाड़ों के साथ आतिशी स्वागत किया गया, युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सर्वप्रथम जमगहना इस्थित शिव मंदिर में प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि भगत को पूजा अर्चना कराया तत्पश्चात सैकड़ों बाइक रैली व ट्रैक्टर रैली के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि भगत का भाजपा कार्यालय तक स्वागत किया गया, भांडी चौक बैकुंठपुर में जनजातिय समाज के पदाधिकारियों के द्वारा एस टी मोर्चा के जिला महामंत्री रामप्रताप सिंह मरावी के नेतृत्व में गमछा पहनाकर पगड़ी पहनाकर व महुआ का माला पहनाकर स्वागत किया गया तत्पश्चात प्रेमा बाग में भूपेश बघेल के भ्रष्ट सरकार के खिलाफ पुतला दहन किया गया साथ ही मध्याह्म भोजन रसोईया संघ के द्वारा किए जा रहे भुपेश सरकार के खिलाफ़ अनिश्चितकालीन हड़ताल का समर्थन किया गया,महात्मा गांधी चौक में गांधी जी के प्रतिमा का माल्यार्पण किया गया उसके बाद युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने बाइक रैली के माध्यम से नगर पालिका परिषद पहुंचकर कर्मा टीम के द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक परंपरा के अनुरूप कर्मा टीम के सदस्यों के माध्यम से भाजपा कार्यालय तक ऐतिहासिक स्वागत किया भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि भगत ने भाजपा कार्यालय बैकुंठपुर में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का बैठक लिया एवं आगामी समय में भूपेश बघेल की सरकार को 2023 में उखाड़ फेंकने के लिए ऊर्जा भरा साथ ही साथ एसईसीएल ग्राउंड बैकुंठपुर में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कृष्ण बिहारी जायसवाल एवं पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े की उपस्थिति में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विशाल वृक्षारोपण किया, कार्यक्रम के दौरान 30 युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर भाजयुमो जिला प्रभारी श्री पंकज गुप्ता नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नविता शिवहरे शैलेश शिवहरे लक्ष्मण राजवाड़े देवेंद्र तिवारी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हर्षल गुप्ता अभय जसवाल रुबी पासी शमाउद्दीन सिद्दीकी सुभाष साहू धर्मपति राजवाड़े दीपा विश्वकर्मा कन्या शक्ति संयोजिका साक्षी सिंह राजपूत अंजली दुबे पार्षद ममता गोयल रीमा जयसवाल जिला उपाध्यक्ष सत्यम साहू मनोज शुक्ला सत्येंद्र जिला मंत्री प्रखर गुप्ता कोमल पटेल कुणाल जायसवाल आशीष यादव कार्यालय मंत्री आलेख नामदेव,सुमित गुप्ता समेत युवा मोर्चा के सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित रहे मंच का सफल संचालन जिला महामंत्री सुशील सिंह ने किया।

कलेक्टर ने किया खराब हुए सड़कों का निरीक्षण दिए शीघ्र मरम्मत कार्य प्रारंभ करने के निर्देश

-संवाददाता-

सूरजपुर, 17 अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

कलेक्टर इफ्फत आरा ने सूरजपुर भैयाथान रोड, भैयाथान प्रतापपुर रोड, भैयाथान राजपुर रोड, धनवार बनारस अंबिकापुर के खराब एवं गड्ढे हुए सड़क मार्ग का सड़क मार्ग का दौरा कर निरीक्षण किया तथा पीडब्ल्यूडी एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को खराब हुए सड़क को शीघ्र मरम्मत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम दीपिका नेताम, पीडब्ल्यूडी मुख्य कार्यपालन अभियंता महादेव लहरें, एसडीओ हर्षद साहू सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारी को आम जनता को आवागमन में परेशानी ना हो ध्यान में रखते हुए खराब सड़क एवं गड्ढे हुए हैं पिचिंग कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम रवि कुमार सिंह एवं संबंधित पटवारी की उपस्थिति में लटोरी तहसील कार्यालय हेतु भूमि चिन्हांकन शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए ।

कोरिया की गलती से कलेक्टर ने ली सीख

» आमंत्रण पत्र में जिपं उपाध्यक्ष का नाम किया शामिल।

» खड़गवां विकासखण्ड में नवीन उप खण्ड का हुआ शुभारंभ,जिला पंचायत उपाध्यक्ष होंगे विशिष्ट अथिति।

» बचरा पोड़ी तहसील उद्घाटन कार्यक्रम में नहीं था जिपं उपाध्यक्ष का आमंत्रण पत्र में नाम, जमीन पर बैठ दर्ज कराया था विरोध।

» कलेक्टर कोरिया ने जिपं उपाध्यक्ष की थी आमंत्रण पत्र में उपेक्षा, एमसीबी जिले के कलेक्टर ने नाम कराया दर्ज।

» कार्यक्रम में मनेंद्रग विधायक भी होंगे विशिष्ट अतिथि, जिपं उपाध्यक्ष भी रहेंगे साथ मौजूद।

» जिपं उपाध्यक्ष को उनके जिले के कलेक्टर ने ठुकराया,नवीन जिले के कलेक्टर ने अपनाया आमंत्रण में सम्मान पूर्वक नाम हुए शामिल।

-रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर/बैकुण्ठपुर 17 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के कलेक्टर से हुई गलती या यह कहें राजनीतिक रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष को उपेक्षित करने की मंशा भले ही उस समय बचरापोड़ी में असफल हो गई जब जिला पंचायत उपाध्यक्ष उप तहसील उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे और आमंत्रण कार्ड में नाम नहीं होने को लेकर कार्यक्रम के दौरान ही कार्यक्रम स्थल पर जमीन पर बैठ गए और प्रशासन को उनका मान मानमनौव्वल कर उन्हें मंच पर लाना पड़ा और इस बीच प्रशासन की जमकर आलोचना भी हुई क्योंकि जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्वयं सत्ताधारी पार्टी के सदस्य हैं और उनकी उपेक्षा कहीं न कहीं एक बड़ी गलती जरूर थी, अब एमसीबी जिले के अंतर्गत आने वाले खड़गवां विकासखण्ड के खड़गवां में उप खण्ड का लोकार्पण कार्यक्रम होने जा रहा है और एमसीबी जिले के कलेक्टर ने कोरिया कलेक्टर से हुई गलती से सीख लेते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष को विशिष्ट अतिथि का दर्जा दिया है वहीं बाकायदा उनका नाम आमंत्रण कार्ड में भी छपवाया है। एमसीबी जिले के कलेक्टर के इस आमंत्रण कार्ड को लेकर सभी तरफ

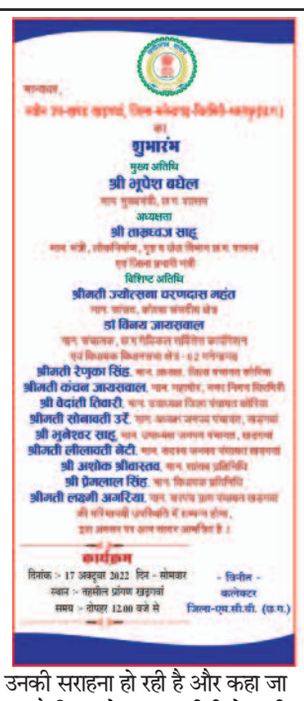

उनकी सराहना हो रही है और कहा जा रहा है कि कलेक्टर एमसीबी ने सभी जनप्रतिनिधियों को सम्मान देने की जो परंपरा आरंभ की है वह आने वाले दिनों में एक मिसाल बनेगी और जिससे राजनीतिक विद्वेष की भावना कमजोर पड़ेगी। बचरा पोड़ी तहसील उद्घाटन कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष की उपेक्षा भले ही राजनीतिक कारणों से हुई हो लेकिन यह भी मानना होगा कि जिला पंचायत उपाध्यक्ष का पद प्रोटोकाल के बगैर भी जिला स्तर का है और उनके सम्मान की रक्षा होनी चाहिए थी जहां प्रशासन से भी राजनीतिक दबाव वश चूक हुई और प्रशासन की जमकर आलोचना भी हुई। वेदांती तिवारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष तो है ही और साथ ही वह दो बार के कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी भी बैकुंठपुर विधानसभा से रह चुके हैं और ऐसे में सत्ताधारी दल के वरिष्ठ सदस्यों में उनकी गिनती होती है और वह जिले में कांग्रेस पार्टी के बड़े जनाधार वाले नेता भी हैं। वहीं जिस समय जिला पंचायत उपाध्यक्ष जमीन पर बैठकर विरोध दर्ज कर रहे थे कई बैकुंठपुर विधानसभा के समर्थको को जो कांग्रेस पार्टी के ही सदस्य हैं कुर्सी पर बैठे ही देखा गया जब प्रशासन मानमनौव्वल कर रहा था उन्होंने कुर्सी छोड़ना मुनासिब नहीं समझा और वह उस श्रेणी के कांग्रेस नेता थे जिनका न तो जनाधार ही है विधानसभा में और न ही उनके कहने पर पार्टी के मतों में ही इजाफा होना है। वैसे एमसीबी जिले के कलेक्टर साथ ही जिले के जनप्रतिनिधियों की भी सराहना हो रही है जो जिला पंचायत उपाध्यक्ष को सम्मान देने में आगे आ रहें हैं। त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था अंतर्गत पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मान यदि नहीं होगा तो निश्चित ही पंचायतों के समग्र विकास की शासन की अवधारणा पर असर पड़ेगा और राजनीतिक खींचातानी से विकास अवरुद्ध होगा। कुल मिलाकर नवीन जिले के कलेक्टर ने विषय की गम्भीरता साथ ही हर स्तर के जनप्रतिनिधियों के सम्मान की एक नई लकीर खींचने का प्रयास किया

बाघ के खाल के साथ पांच पकड़ाए

-संवाददाता-

सूरजपुर, 17 अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

जिले के चांदनी बिहारपुर इलाके के 6 ग्रामीण तेंदुए व बाघ का शिकार कर खाल बेचने की फिराक में धरे गए है।पांच लोग फरार बताए गए है। उक्त खाल अवन्तिकापुर से बरामद किया गया है। वन विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है।डीएफओ संजय यादव ने बताया कि उपवनमण्डल- ओड़गी के वनपरिक्षेत्र बिहारपुर अंतर्गत मुखबिर से संरक्षित वन्यप्राणी बाघ के खाल की बिक्री करने की सूचना मिली। जिस पर वनमण्डलाधिकारी, वनमण्डल सूरजपुर एवं एडिशनल डायरेक्टर, वाईल्ड लाईफ क्राईम कंट्रोल ब्यूरो जबलपुर (म.प्र.). रिजनल डिप्टी डायरेक्टर, वाईल्ड लाईफ क्राईम कंट्रोल ब्यूरो जबलपुर (म.प्र.) वनमण्डलाधिकारी, वनमण्डल - सिंगरौली (म.प्र.). उपवनमण्डलाधिकारी -सिंगरौली (म.प्र.), वनपरिक्षेत्र- माड़ा (म.प्र.), उपवनमण्डलाधिकारी ओड़गी, वनपरिक्षेत्राधिकारी - बिहारपुर, कुदरगढ़ एवं वनकर्मीयों के संयुक्त कार्यवाही में वन्यप्राणीयों के अवैध शिकार में संलिप्त 3 आरोपीयों को बाघ की खाल एवं मोटर सायकिल सहित गिरफ्तार किया गया। जिनकी निशानदेही पर एक तेंदुए की खाल के साथ तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिन्हें न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा हैं। सूत्र बताते है कि भुंडा के एक ग्रामीण से उक्त खाल खरीदा गया था जिसे बेचने के फिराक में 6 लोग धरे गए है।अभी मामले में 5 लोग फरार बताए गए है।वन विभाग के अनुसार अन्य आरोपियों के पकड़े जाने के बाद यह पता चल पाएगा कि कब और कहां इन वन्य प्राणियों का शिकार किया गया था और क्या इसमें कोई रैकेट शामिल है।पकड़े गए आरोपी नवगई , छतरंग लूलह,उमझर के बताए गए है।

गलती एसईसीएल अधिकारियों की और कार्यवाही बाबू पर

» क्या इसके बावजूद दिवाली में हो पाएगा कर्मचारियों का वेतन भुगतान।
» नए सॉफ्टवेयर में वेतन बनाने में हुई गड़बड़ी 300 कर्मचारियों का नहीं बना वेतन।
» कर्मचारियों व श्रमिक संगठन के विरोध के बाद प्रबंधन ने अपनी गलती का ठीकरा बाबू फो थमाया आरोप पत्र।
» बिना पेमेंट चेक लिस्ट को चेक किए बैगर अधिकारियों ने बिल किया पास,कर्मचारियों का वेतन छोटा।
» नए सॉफ्टवेयर में बिना समझे झिलमिली सहक्षेत्र को वेतन बनाना पड़ा भारी।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 17 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

एसईसीएल की लापरवाही से साल के सबसे बड़े त्यौहार दिपवाली में कर्मचारी अपने ही वेतन से वंचित रह गए, जब इस बात को लेकर श्रमिक संगठन व कर्मचारियों ने विरोध जताया तो प्रबंधन ने बाबू को आरोप पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा पर सवाल यह है क्या स्पष्टीकरण मांगने से त्योहार से पहले वेतन मिल जाएगा? जिसका जवाब तो सहक्षेत्र प्रबंधक भी नहीं दे पा रहे हैं, अब समस्या तो उन कर्मचारियों की हो गई जिन्हें बिना वेतन के ही पूरा महीना काटना पड़ेगा, क्योंकि इनका वेतन ही इनका सहारा था और इस बड़े त्यौहार में लगभग 250 से 300 कर्मचारियों का अपने वेतन से वंचित रहना विभागिए लापरवाही है, यह लापरवाही सिर्फ नए सॉफ्टवेयर में वेतन बनाने के अविष्कार को लेकर हो गई। बिना प्रशिक्षित लोगों से इस सॉफ्टवेयर में हाजिरी चढ़ावा कर वेतन बनवाया गया और इसी वजह से गड़बड़ी होने की बात आ रही है, अप्रशिक्षित लोग से भूल बस कर्मचारियों की हाजिरी चढ़ाने में गड़बड़ी हो गई जिसका नतीजा यह था कि कर्मचारियों का वेतन ही नहीं बना।

एसईसीएल अपने आप को अपडेट करने के लिए कर्मचारियों का वेतन बनाने के लिए ऑनलाइन पद्धति से सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रही है जिसमें वह एसईसीएल के कर्मचारियों व अधिकारियों का वेतन बनाना चाहती थी पर वेतन बनाने से पहले इस सॉफ्टवेयर को समझना जरूरी था पर बिना समझे अधिकारियों ने दबाव दे बिना प्रशिक्षण पाय बाबुओं से कर्मचारियों का हाजिरी सॉफ्टवेयर में चढ़ाया गया और यह सॉफ्टवेयर बाबू को समझ में नहीं आया, क्योंकि वह इस सॉफ्टवेयर से पूरी तरह अनभिज्ञ थे उन्हें बिल्कुल भी इस सॉफ्टवेयर में वेतन बनाने नहीं आता था, फिर भी इनसे वेतन बनवाया गया, इस वजह से कर्मचारियों का वेतन बनने में भारी गड़बड़ी हुई, गड़बड़ी भी ऐसी की काम करने वाले कर्मचारी भी अनुपस्थित दिख रहे हैं, जिस वजह से उनके खाते में उनका वेतन भी नहीं आया, जबकि वहीं कटकोना व चरचा क्षेत्र में सॉफ्टवेयर की समझ ना होने की वजह से पुराने पद्धति से ही वेतन को निकाला गया, झिलमिली सह क्षेत्र अपने आप को सबसे आगे रखने के चक्र में साल के सबसे बड़े त्यौहार के दौरान ही यह गड़बड़ी कर डाली, यदि यह वेतन बनाने को लेकर ट्रेनिंग लिए होते तो शायद सभी को वेतन मिल जाता, वेतन बनाने की ट्रेनिंग ही इन्हें नहीं थी और यह उस सॉफ्टवेयर में कर्मचारियों की हाजिरी चढाने लगे पर हाजिरी ऐसी चढ़ाई कि काम पर गए लोग भी उसमें अनुपस्थित देखने लगे, अब अनुपस्थित लोगों का वेतन तो बनेगा नहीं जिस वजह से कर्मचारियों का वेतन ही रुक गया, अब इसी लीपापोती को फिर से सही करने की कवायद शुरू हो रही है पर शायद यह लीपापोती अगले महीने भी सही हो सके फिलहाल तो कर्मचारियों को बिना पैसे की दिपवाली मनान होगी।

300 अधिकारियों व श्रमिकों का सितम्बर महिने का लगभग 20 लाख रूपए वेतन रुका

एसईसीएल के लिपिकों की लापरवाही के कारण डियूटी करने के बाद भी 300 अधिकारियों व श्रमिकों का सितम्बर महिने का लगभग 20 लाख रूपए वेतन रुक गया। किसी का 2 दिनों का तो किसी का 4 दिनों का किसी का 7 दिनों का तो किसी का 10 दिनों का हाजरी कटने के कारण वेतन कट गया, हालांकी अधिकारी कह रहे हैं कि सुधार कर उन्हें अगले महिने कटे हुए वेतन को दे दिया जायेगा लेकिन जिन अधिकारी व श्रमिकों का वेतन कटा है उनका कहना है कि इसी महिने दिपावली का त्योहार है और इस तरह से काम करने के बाद भी वेतन कट गया तो हम दिपावली का त्योहार अपने परिवार के साथ किस तरह से मनाऐं यह चिंता बन गई है। एसईसीएल बैकुन्ठपुर एरिया के अंतर्गत एसईसीएल झिलिमिली सहक्षेत्र के झिलिमिली एवं पाण्ड़वपारा कोयला खदान में 1300 अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत हैं जिनमें से लगभग 300 अधिकारी व कर्मचारियों में से अधिकारियों का 1 दिन का एलडबल्यूपी किया गया वहीं स्टाफ एवं श्रमिकों का 2 दिन एलडबल्यूपी एवं 2 दिन से लेकर 11 दिन तक सितम्बर महिने के पेमेंट स्लीप में अनुपस्थित दर्शा दी गई है जिससे उनका वेतन कट गया है, डियूटी करने के बाद भी वेतन कटने से अधिकारी व कर्मचारियों में रोश व्याप्त है। श्रमिक रमाकांत देवांगन ने बताया कि मेरा 1 दिन की पीएचडी एवं 3 दिन की कुल 4 दिनों की हाजरी कट गई है। इसी तरह रामाधार, इन्द्र पाल ने भी बताया कि उनकी भी हाजरी कट गई है जिसके कारण दिपावली का त्योहार उधार में पैसों की व्यवस्था कर मनाना पड़ेगा।

श्रमिक संगठन एचएमएस व बीएमएस ने किया सहक्षेत्र प्रबंधक कार्यालय का घेराव- कार्य करने के बाद भी वेतन कटने से परेशान श्रमिकों के हित को ध्यान में रख कर श्रमिक संगठन एचएमएस के द्वारा सहक्षेत्र प्रबंधक झिलिमिली कार्यालय का घेराव किया गया। स्थिति को देखते हुए पर्सनल अधिकारी अजीतेष भट्टाचार्य के द्वारा एसईसीएल बैकुन्ठपुर क्षेत्र में इसकी जानकारी दी गई, जहां तत्काल एरिया पर्सनल मैनेजर रवि रश्मि लकड़ा व डिप्टी मैनेजर एलिवर्सन झिलिमिली पहुंचकर श्रमिक संगठन के पदाधिकारियों व अधिकारियों को बताया गया कि ये त्रुटी कमप्यूटर में लिपिकों के द्वारा समय पर जानकारी पोस्टींग न करने की वजह से कारण हुई है। जिसे सुधार के लिए महाप्रबंधक एवं एसईसीएल बिलासपुर को अवगत कराई गई है और इसकी जांच की जा रही है। इसके पूर्व भी कई स्टाफ के कर्मचारी व श्रमिकों को खदान से मिलने वाले भत्ता से भी वंचित किया गया था।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सवाल पर भड़के परियोजना अधिकारी

तुनक मिजाजी का वीडियो हुआ वायरल

-पृथ्वीलाल केशरी-
रामानुजगंज 17 अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

रामचंद्रपुर विकासखंड के कई ग्रामों में संचालित होने वाले आंगनबाड़ी भवन की हालत जर्जर है और कभी भी कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्र के दौरा से लौटने के बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संवाददाताओं ने जब रामानुजगंज में स्थित महिला एवं बाल विकास कार्यालय में परियोजना अधिकारी विनय कुमार यादव से उक्त संबंध में बाइट लेने के लिए पहुंचे तो तुनक मिजाजी अधिकारी ने उन लोगों पर भड़क गए जिसका वीडियो वायरल हुआ है।

परियोजना अधिकारी ने नहीं उठाया फोन

उक्त मामले में परियोजना अधिकारी विनय कुमार यादव का पक्ष जानने के लिए उनको फोन लगाया गया लेकिन उन्होंने ना ही फोन रिसीव किया और ना ही उनके द्वारा कॉल बैक ही किया गया।

क्या कहे जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रधान ने

जिला कार्यक्रम अधिकारी जे आर प्रधान महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बलरामपुर रामानुजगंज से उक्त संबंध में चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामला जो भी हो अधिकारी को फोन रिसीव करना चाहिए फोन रिसीव नहीं करना किसी समस्या का समाधान नहीं है।

आखिरकार कौन है विनय कुमार यादव

बलरामपुर रामानुजगंज जिले के ग्राम मुरकौल पोस्ट वीरेंद्र नगर के मूल निवासी है विनय कुमार यादव,वहीं सूत्र बताते हैं कि इनकी पहुंच पकड़ भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ में होने के कारण परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास रामचंद्रपुर रामानुजगंज में विगत वर्ष 17 एवं 18 से पदस्थ है। यही कारण है कि लोगों के साथ इनका व्यवहार कुछ ठीक नहीं है विभागीय सूत्र एवं कार्यालय के समिप निवास करने वाले व्यक्तियों का कहना है कि इनसे पहले परियोजना अधिकारी के रूप में मनोज अग्रवाल जी का पदस्थापना था जिनके सौम्य व्यवहार के लिए अलग से जाने जाते थे।

कई बार मिल चुका है जिला कार्यक्रम अधिकारी का प्रभाव

विभागीय सूत्र बताते हैं कि परियोजना अधिकारी विनय कुमार यादव को कई बार जिला कार्यक्रम अधिकारी का प्रभार मिल चुका है वही जे आर प्रधान जब भी छुट्टियों में जाते हैं तो इन्हीं को अपना प्रभार देकर जाते हैं। यह भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

उक्त मामले में जलनखोर युवक के चलते हुआ विवाद

सूत्र बताते हैं कि परियोजना अधिकारी विनय कुमार यादव कार्यालय के बाहर चेयर में बैठकर चना खा कर रहे थे उसी समय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संवादाता वहां पहुंचे और उनसे पूछने लगे कि साहब कहां है उन्होंने बोले कि मैं ही हूं चलिए अंदर बैठीऐ। इतने में विनय कुमार यादव ने रामानुजगंज के चर्चित जलन खोर एवं ब्लैकमेलर युवक जो भ्रष्ट अफसरों का दलाली कर मीडिया को मैनेज करने की साहस रखने वाले को उन्होंने फोन लगाकर पूछा कि कुछ लोग आए हुए हैं क्या करूं,जलन खोरी युवक ने उनको सलाह दी कि फर्जी लोग हैं उन्हें चलता कीजिए। जलन खोर युवक का सलाह मानकर उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संवाददाताओं से उलझ पड़े जिसका वीडियो वायरल हुआ है।

तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से तीन लोगों की गई जान

-संवाददाता-
कोरबा, 17 अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आकर बाइक चालक और उसकी मासूम बेटी सहित एक युवक की मौत हो गई । पत्नी और एक अन्य बच्चे को गंभीर चोट आई है। जानकारी के मुताबिक ग्राम खर्सीपारा-सलिहाभांठा थाना बांगो का निवासी राजा मरपच्ची पत्नी व बच्चों को ससुराल छोड़ने जा रहा था। ग्राम गुरसिया-जटगा मार्ग पर सलिहा भांठा के समीप एक तेज रफ्तार बोलेरो के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। हादसे में घटनास्थल पर ही राजा मरपच्ची, उसकी 5 साल की बेटी सहित एक युवक की मौत हो गई। राजा मरपच्ची की पत्नी व एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हे स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए ले जाया गया है।

मुख्यमंत्री ने जिले के कृषकों को दी 34 करोड़ 46 लाख रूपए की सौगात

-संवाददाता-
रामानुजगंज 17 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किस्त के तौर पर जिले के 42 हजार 999 पंजीकृत कृषकों के बैंक खाते में 34 करो 46 लाख 98 हजार 308 राशि का अन्तरित किया इसी प्रकार गोधन न्याय योजनांतर्गत 4546 क्विंटल गोबर क्रय का 7 लाख 51 हजार 723 रूपए का अन्तरित किया गया। जिले में राजीव गांधी किसान न्याय योजना अंतर्गत तीसरी किस्त का भुगतान विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के 9154 कृषकों को 7 करो 61 लाख 35 हजार 125 रूपए, विकासखण्ड कुसमी के 1976 कृषकों को 1 करो 84 लाख 54 हजार 232 रूपए, विकासखण्ड राजपुर के 7378 कृषकों को 6 करो 12 लाख 95 हजार 343 रूपए, विकासखण्ड वाड्रफनगर के 13605 कृषकों को 9 करो 62 लाख 69 हजार 697 रूपए, विकासखण्ड बलरामपुर के 6712 कृषकों को 6 करो 39 लाख 91 हजार 955 रूपए तथा विकासखण्ड शंकरगे के 3274 कृषकों को 2 करो 85 लाख 91 हजार 954 रूपए की राशि का भुगतान किया गया।

सरपंच ने बिना काम किए निकाल था 21 लाख से अधिक की राशि

» लंबे समय से हो रही थी जांच पर कार्यवाही का था इंतजार।
» एसडीएम ने पद से पृथक करने जारी किया आदेश।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 17 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय जनपद पंचायत बैकुठपुर के अंतर्गत खाड़ा ग्राम पंचायत के सरपंच राजकुमार चेरवा जल्द ही सरपंच पद से हट सकते हैं। एसडीएम बैकुंठपुर ने सरपंच को नोटिस जारी कर लिखा है कि सरपंच ग्राम पंचायत खाड़ा द्वारा 14 वें वित्त एवं मूलभूत योजना अंतर्गत पंचायत को कुल राशि 21 55,878 रुपए की हानि, दुर्व्ययय, एवं दुरुपयोजन किया गया है जो छत्तीसगढ़ पंचायत नियम 1994 के नियत 3 के विरुद्ध है। इस सम्बंध में नोटिस जारी 7 दिन के अंदर कारण न बताने पर पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 40 के अंतर्गत पद से पृथक करने की कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि सरपंच द्वारा ढोढ़ी मरम्मत, शौचालय, आंगनवाड़ी भवन, सोख्ता टॅकी निर्माण जैसे अनेक कार्य बिना किए व अनेक अधूरे कार्य में ही 21 लाख से अधिक की राशि निकाल की गई थी।

ज्ञात हो कि खाड़ा ग्राम पंचायत के अंतर्गत 14वें वित्त व मूलभूत की राशि आहरण की गई थी पर इस राशि के बदले में जो कार्य होने थे वह नहीं हुए राशि खर्च में गड़बड़ी को लेकर शिकायत की गई थी जिसके लिए पिछले 1 साल से जांच चल रहा था अंततः अब एसडीएम ने इस पर कार्यवाही करने का आदेश जारी किया है अब देखना यह है कि क्या इस पर कार्रवाई होगी क्या सरपंच को बर्खास्त किया जाएगा या फिर वह अपने पद पर बने रहेंगे? 14वें वित्त सहित ग्राम पंचायत के मूलभूत निधि में पिछले चार वर्षों में लगभग 30 लाख की गड़बड़ी की शिकायत के मामले की प्रथम दृष्टया जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर जिला पंचायत कोरिया ने तत्कालीन पंचायत सचिव ग्राम पंचायत खांडा को निलंबित करते हुए अब मामले को लेकर भौतिक सत्यापन हेतु जांच दल का गठन किया गया है। जांच दल का नोडल आरईएस विभाग के एसडीओ को बनाया गया है वहीं जांच रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर जमा करने का भी निर्देश जारी किया गया है वहीं अब ग्राम पंचायत खांडा में युद्धस्तर पर किसी भी तरह निर्माण कर कार्यवाही से बचने का प्रयास गड़बड़ी करने वाले कर रहें हैं।

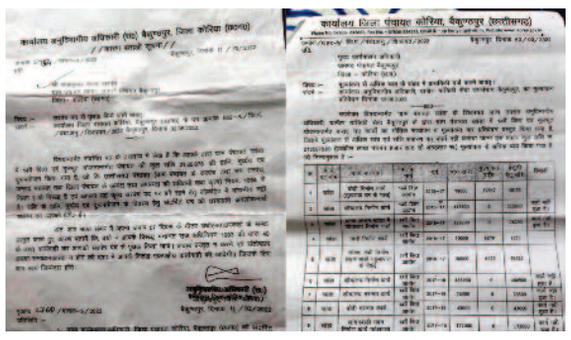

जिला पंचायत की कार्यवाही व जांच दल के गठन को लेकर भी अब यह आरोप लगने लगे हैं कि यह सब कुछ गड़बड़ी करने वालों को बचाने के प्रयास के तहत किया जा रहा है। लोगों का साथ ही ग्राम पंचायत खांडा के ही मामले के शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जब सचिव के निलंबन की कार्यवाही हो चुकी है और मामला पिछले 3 सालों तक लगातार ग्राम पंचायत निधि में गड़बड़ी और निधि के बन्दरबांट से जुड़ा हुआ है वहीं प्रथम जांच में तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव पर निलंबन की भी कार्यवाही हो चुकी है ऐसे में पिछले निर्माण कार्यों जिनको पूरा करने के नाम पर राशि निकाली गई और गबन कर ली गई ऐसे कार्यों को किसी तरह जल्दबाजी में पूर्ण करने में जुटे जिम्मेदार लोगों द्वारा जारी निर्माण कार्यों पर जांच पूर्ण होने तक रोक लगा दी जानी चाहिए क्योंकिं जल्दबाजी में खुद को बचाने युद्धस्तर पर गुणवत्ता विहीन कार्य किया जा रहा है और निर्माण कार्यों में किसी भी मापदण्ड का भी बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जा रहा है। पंचायत सचिव पर कार्यवाही के बाद अब जांच उपरांत सरपंच पर भी कार्यवाही तय हो सकती है इसलिए भी सरपंच द्वारा किसी भी तरह निर्माण कार्यों का ढांचा खड़ा किया जा रहा है जिससे जवाब दिया जा सके। शिकायतकर्ता ग्रामीणों सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि पिछले 3 सालों में 40 निर्माण कार्यों के नाम पर 30 लाख से ज्यादा की राशि पंचायत निधि से निकाली गई और निर्माण करने की बजाय राशि का आपस मे बन्दरबांट कर लिया गया।

कोरिया के तीन पीसीसी डेलीगेट्स सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए किया मतदान

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 17 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव को लेकर अब विराम लग गया है क्योंकि राष्ट्रीय चुनाव के लिए मतदान 17 अक्टूबर को रायपुर में राजीव भवन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए मतदान किया गया, इस मतदान के लिए पीसीसी डेलीगेट्स की सूची एक महीना पहले ही जारी कर दी गई थी, जिसमें विभाजित कोरिया से 3 नाम शामिल थे जिसमें स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव, योगेश शुक्ला व अनिल जयसवाल का नाम था, इन तीनों ने भी रायपुर पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव के लिए अपना मत दिया। अब सवाल यह है क्या

छत्तीसगढ़ का मत किसे अध्यक्ष प्रत्यशी के पक्ष में होगा? अध्यक्ष के लिए कई प्रबल दावेदार हैं जिन्होंने सोशल मीडिया से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की थी, वही राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में बैठक भी हुई थी अब छत्तीसगढ़ के पड़े मतदान से राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन बनेगा यह तो परिणाम से की साफ होगा।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202210020700124

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-रामप्रताप साव,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक रामप्रताप साव आ0 स्व0 राम स्वरूप साव व अन्य निवासी मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1668/25 रकबा 0.024 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी रामदेइ का नाम विलोपित कर फौती नामांन्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/10/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/10/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसील सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय तहसीलदार सुरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ग्राम-तिलसिवां

ईश्तहार

आम जनता ग्राम तिलसिवां को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका महादेवी साहु पति राजेन्द्र प्रसाद जाति तेली निवासी ग्राम सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर छ.ग. ने ग्राम तिलसिवां प0ह0नं0-07 स्थित स्वत्व व अधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 1028/3 रकबा 0.0180 हे0 को अनावेदक जयप्रकाश साहु आ0 राजेन्द्र प्रसाद साहु निवासी ग्राम सूरजपुर को दान करने के संबंध में आवेदन पत्र मय खसरा बी-1 एवं व्यपवर्तन प्रमाण पत्र की छायाप्रति सहित श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने से आवश्यक जांच कार्यवाही हेतु प्राप्त हुआ है। जो इस न्यायलय में विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी को आपति हो तो वह दिनांक 31/10/2022 को स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना आपति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत थिति के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 14/10/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202208020700045

विषयः- अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2021-2022
मेन्ड्राकला प.ह.न. 00030 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-नोहर साय ,
अनावेदक पक्षकार-आनंद ,

ईश्तहार

आवेदक नोहर साय आ0 स्व0 सुखराम, निवासी ग्राम रकेली, तहसील राजपुर, जिला बलरामपुर छ0ग0 के द्वारा माननीय न्यायलय प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1, अम्बिकापुर के व्यवहार वाद क्रमांक 524अ/2012 में पारित आदेश दिनांक 14/12/2021 के परिपालन में परिशिष्ट अ में वर्णित भूमि ग्राम मेण्ड्राकला, तहसील अम्बिकापुर, स्थित खसरा नंबर 37,40,41,101,102,103, रकबा क्रमशः 0.134, 0.113, 0.176, 0.077, 0.012, 0.189 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में अपना नाम भूमि स्वामी एवं आधिपत्यधारी के रूप में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 18/11/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्त कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/08/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसील सरगुजा (अम्बिकापुर)

चैतुरगढ़ के जंगल में 52 पत्ती में लगा था लाखों का दांव पुलिस ने 15 जुआरी को किया गिरफ्तार एवं 20 दुपहिया वाहन को किया जब्त

-संवाददाता-
कोरबा, 17 अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र के जंगल में लाखो का का मामला सामने आने से मची खलबली । मामला इस प्रकार है के चैतुरगढ़-जेमरा के जंगल में फड़ सजा कर जुआ खेलाए जाने की सूचना प्रभारी जिला पुलिस अधीक्षक यू.उदय किरण को मिली थी। एसपी के मार्गदर्शन में विशेष टीम ने एसआई कृष्णा साहू के नेतृत्व में चैतुरगढ़-जेमरा पहाड़ के ऊपर पर दबिश दी गयी जहाँ जुआ खेला जा रहा था ढ्ढ पुलिस के पहुंचते ही जुआरियों में

अफरा-तफरी मच गई। सूचनाओं के मुताबिक पुलिस ने 15 जुआरी और लगभग 20 दुपहिया और चार पहिया वाहन को जब्त किया । मौके से ट्रैक्टरों में भर कर दो पहिया वाहनों को पाली थाना लाया गया , वहीं चार से पांच कार जब्त की गई । जुआ के फड़ से जप्त की गई रकम लगभग 3 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है । बताया जा रहा है कि स्थानीय कुछ लोगों के द्वारा जुआ का फड़ संचालित कराया जा रहा था जिसमें कुछ नामचीन लोगों सहित आसपास के क्षेत्र के युवा भी पकड़ में आए हैं। स्थानीय सूत्र बताते हैं कि चैतुरगढ़-जेमरा के जंगल में फड़ काफी लंबे समय से चलाया जा रहा था जिसमें न सिर्फ पाली बल्कि आसपास के क्षेत्र और पड़ोसी जिले से भी लोग जुआ खेलने पहुंचते रहे हैं। स्थानीय पुलिस और उसके मुखबिर को इसकी भनक नहीं लगना अनेक संदेहों को जन्म देता है। जो स्थानीय क्षेत्र के लिए एक चर्चा का विषय बना हुआ है ।

गुकेश ने एमचेस रैपिड शतरंज में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया

चेन्नई, 17 अक्टूबर 2022। भारत के 16 वर्ष के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने एमचेस आनलाइन रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हरा दिया और वह विश्व चैम्पियन को हराने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। चेन्नई के गुकेश ने सफेद मोहरों से खेलते हुए 29 चालों में जीत दर्ज की। अब वह 12 दौर के बाद पोलैंड के जान क्रिस्टोफ डुडा (25 अंक) और अजरबैजान के शखरियार मामेदियारोव (23 अंक) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। गुकेश के 21 अंक हैं।

इससे एक दिन पहले भारत के 19 वर्ष के अर्जुन एरिगेसी ने कार्लसन को हराया था। मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर ने ट्वीट किया ,'' गुकेश विश्व चैम्पियन कार्लसन को हराने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बन गया। शाबाश।'' एमचेस टूर्नामेंट मेल्टवाटर चैम्पियन्स शतरंज टूर का हिस्सा है। गुकेश की उम्र 16 वर्ष चार महीने और 20 दिन है। पिछला रिकॉर्ड आर प्रज्ञानानंदा के नाम था जिन्होंने फरवरी में एयरथिंग्स मास्टर्स में कार्लसन को जब हराया तब उनकी उम्र 16 वर्ष, छह महीने और 10 दिन थी। यादगार जीत के बाद गुकेश के हवाले से कहा गया, ''मैग्नस को हराना हमेशा विशेष होता है लेकिन मुझे इस मैच पर काफी गर्व नहीं है।''

गुकेश ने पीटीआई से कहा, ''एक पेशेवर के रूप में मैं जिस तरह खेला उससे खुश हूं। यह जीत निश्चित तौर पर मेरा मनोबल बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी और मैं आगामी मुकाबलों को लेकर उत्सुक हूं।'' इसे महत्वपूर्ण जीत करार देते हुए चेन्नई के खिलाड़ी ने कहा कि कार्लसन के खिलाफ खेलना हमेशा रोमांचक चुनौती होती है और वह निकट भविष्य में भी उनसे भिड़ने को लेकर बेताब हैं। उन्होंने कहा, ''यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण जीत है। कार्लसन के साथ खेलना हमेशा एक दिलचस्प चुनौती है और मैं निकट भविष्य में उसके साथ फिर से खेलने को लेकर उत्सुक हूं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या कार्लसन के खिलाफ मैच के लिए कोई विशेष तैयारी थी, भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कहा, ''मैंने अपने कोच विष्णु प्रसन्ना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे सभी खिलाड़ियों की खेल शैली के बारे में चर्चा की। हमने एक संक्षिप्त योजना बनाई कि प्रत्येक प्रतिभागी के खेलने की शैली के अनुसार उसके खिलाफ कैसे खेलना है।''

एरिगेसी के भी 21 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर हैं। विदित गुजराती 10वें स्थान पर हैं और नाकआउट की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। आदित्य मित्तल 12वें स्थान पर हैं जिन्होंने 12वें दौर में एरिगेसी को हराया लेकिन पिछले तीन मुकाबले हार गए थे। पी हरिकृष्णा 15वें स्थान पर हैं जो एकमात्र मुकाबला जीत सके हैं।

स्कॉटलैंड ने अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दो बार के टी-20 विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को हराया

बर्मिंघम, 17 अक्टूबर 2022। स्कॉटलैंड ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत सोमवार को यहां वर्षा से बाधित टी20 विश्व कप के ग्रूप बी मैच में दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को 42 रन से हराकर उलटफेर किया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद स्कॉटलैंड ने सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से की 53 गेंद में नौ चौकों से नाबाद 66 रन की पारी से पांच विकेट पर 160 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। स्कॉटलैंड ने इसके बाद टी20 विश्व कप के इतिहास में दो खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम वेस्टइंडीज को 18.3 ओवर में सिर्फ 118 रन पर समेटकर आसान जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज को सुपर 12 चरण में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए अब बुधवार को जिंबाब्वे को हर हाल में हराना होगा। दूसरी तरफ रिची बेरिंगटन की अगुआई वाली टीम को सुपर 12 चरण में जगह बनाने के लिए अपने यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी आयरलैंड को हराना होगा। बेरिंगटन ने कहा, ''हमें उतने टी20 मैच खेलने को नहीं मिले जितने हम चाहते थे लेकिन हमने 50 ओवरों का काफी क्रिकेट खेला है। यह उस कौशल को छोटे प्रारूप में दिखाने से जुड़ा है।''

अपने स्पिनरों के प्रयास की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''उन्होंने महत्वपूर्ण क्षणों में हमारे लिए शानदार काम किया। वॉट ने अच्छी शुरुआत की और वह हमेशा महत्वपूर्ण विकेट लेते हैं। लीस्क ने भी लगातार चार ओवर काफी अच्छी तरह डाले।'' हार से निराश विंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने कहा, ''हमें कड़ी मेहनत करनी होगी और दो मैच जीतने होंगे। हमें जवाबदेही और जिम्मेदारी लेनी होगी। बारिश के कारण 20 मिनट के ब्रेक ने भी स्कॉटलैंड की राह आसान कर दी क्योंकि बेवेरिव ओवल में परिस्थितियां धीमी हो गईं। बाएं हाथ के स्पिनर मार्क वॉट ने गेंदबाजी का आगाज किया और चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए। आफ स्पिनर मार्क लीस्क ने भी 15 रन देकर दो विकेट हासिल किए। धीमे हालात के बीच 161 रन का लक्ष्य वेस्टइंडीज के लिए काफी बड़ा साबित हुआ क्योंकि टीम की बल्लेबाजी में काफी गहराई नहीं थी और टीम को बीच के ओवरों में आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर की कमी खली। सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स ने 13 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के से 20 रन बनाकर वेस्टइंडीज को अच्छी शुरुआत दिलाई। मुन्से ने हालांकि तीसरे ओवर में डीप मिडविकेट पर मायर्स का शानदार कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया। दूसरे सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग भी 15 गेंद में 17 रन बनाने के बाद पावर प्ले के भीतर पवेलियन लौट गए जिससे वेस्टइंडीज की टीम कभी नहीं उबर पाई।

ऑफ स्पिनर लीस्क ने इसके बाद कप्तान पूरन को आउट करके वेस्टइंडीज की परेशानी बढ़ाई। टीम का स्कोर 10 ओवर में पांच विकेट पर 69 रन था। जेसन होल्डर ने 33 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 38 रन की पारी खेलकर हार के अंतर को कम किया। इससे पहले मुन्से ने स्कॉटलैंड को तेज शुरुआत दिलाई जिससे टीम ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 54 रन बनाए। बारिश के कारण 20 मिनट के ब्रेक टीम की लय टूट गई और खेल दोबारा शुरू होने पर वेस्टइंडीज ने उनका स्कोर 12 ओवर में तीन विकेट पर 83 रन कर दिया। मुन्से ने हालांकि एक छोर संभाले रखा और डेथ ओवरों में कुछ बड़े शॉट खेलकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। स्कॉटलैंड ने अंतिम चार ओवर में 38 रन जोड़े।

शमी के चार विकेट से भारत ने आस्ट्रेलिया को छह रन से अभ्यास मैच में हराया

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2022। मोहम्मद शमी ने अपनी फिटनेस को लेकर तमाम अटकलों को खत्म करते हुए भारत को टी20 विश्व कप के पहले अभ्यास मैच में भारत को गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया पर छह रन से रोमांचक जीत दिलाई। के एल राहुल (33 गेंद में 57 रन) और सूर्यकुमार यादव (33 गेंद में 50 रन) की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर सात विकेट पर 186 रन बनाये। आस्ट्रेलिया को आखिरी 12 गेंद में 16 रन की जरूरत थी और उसके छह विकेट बाकी थे। इसके बाद गेंदबाज शमी, हर्षल पटेल और क्षेत्ररक्षक विराट कोहली ने मैच की तस्वीर पलट दी। आखिरी बार जुलाई में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने वाले शमी कोरोना संक्रमण से जूझने के बाद वापसी कर रहे थे। उन्होंने आखिरी ओवर में जबर्दस्त गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिये और एक रन आउट भी किया। शमी को चोटिल जसप्रीत बुमराह के विकल्प के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। हर्षल ने 19वें ओवर में पांच ही रन दिये और इसी ओवर में विराट ने सटीक थ्रो पर एक रन आउट भी किया। उन्होंने सीमारेखा के पास एक हाथ से शानदार कैच लेकर पैट कमिंस को भी पवेलियन भेजा।भारत की गेंदबाजी को लेकर चिंता हालांकि बनी हुई है जबकि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्टूबर को पहला मैच है। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा ,'' सुधार की गुंजाइश है लेकिन मैं गेंदबाजों से लगातार अच्छा प्रदर्शन चाहता हूं। हमारे लिये यह अच्छा मैच था। उन्होंने अच्छी साझेदारियां करके हम पर दबाव बनाया लेकिन शमी ने आखिरी ओवर में शानदार प्रदर्शन किया।'' इससे पहले भारतीय बल्लेबाजों ने विकेट से मिल रही उछाल और गति का पूरा फायदा उठाया। राहुल ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की।

इस बार विश्वकप में क्या है भारत की जीत संभावना

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर 2022। टी-20 विश्वकप की शुरुआत 22 अक्टूबर से होने जा रही है। इस बार के विश्वकप की रेस में जो टीमें सबसे आगे चल रही हैं, उसमे भारत, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड सबसे आगे हैं। जिस तरह से प्रैक्टिस मैच में भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है देखने वाली बात है कि क्या भारतीय टीम विश्वकप के मुकाबलों में भी अपना यही प्रदर्शन जारी रख पाती है या नहीं। भारतीय टीम के विश्वकप जीतने की संभावना की बात करें तो पिछले टी-20 विश्वकप के बाद से भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस विश्वकप में विराट कोहली टीम इंडिया के लिए एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। ऐसे में हर किसी की उनपर नजर रहेगी।

कैसा रहा पिछले विश्वकप के बाद भारत का प्रदर्शन पिछले साल हुए टी-20 विश्वकप के बाद से भारतीय टीम के टी-20 में प्रदर्शन की बात करें तो भारत एक भी द्वीपक्षीय सीरीज नहीं हारा है। भारत ने कुल 35 मैच खेले हैं, जिसमे से 26 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 8 में उसे हार मिली है। वहीं एक मैच ड्रॉ रहा है। इस साल जून माह में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज ड्रॉ रही थी। लिहाजा पिछले विश्वकप के बाद भारत का जीत फीसदी 76.47 फीसदी रहा है। लेकिन द्वीपक्षीय सीरीज के नतीजे भारतीय टीम के असल रिपोर्ट कार्ड पेश नहीं करते हैं। पांच मुकाबलों में जीत जरूरी भारतीय टीम को अगर इस बार विश्वकप को जीतना है तो उसे चार अहम मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को मेलबर्न में पाकिस्तान के खिलाफ, दूसरा मैच सिडनी में 27 अक्टूबर को ग्रुप-ए के रनर अप के खिलाफ, तीसरा मैच पर्थ में 30 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ, चौथा मैच 2 नवंबर को एडीलेड में बांग्लादेश के और पांचवा मैच मेलबर्न में 6 नवंबर को फाइनला मुकाबला जीतना होगा। हालांकि भारतीय टीम द्वीपक्षीय सीरीज में बेहतर कर रही है लेकिन टूर्नामेंट में वह कुछ खास नहीं कर पा रही है।

भारतीय बल्लेबाजी भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो टॉप टीमों के मुकाबले भारत की टीम की बल्लेबाजी काफी अच्छी है। पिछले टी-20 विश्वकप के बाद से भारत की बल्लेबाजी का औसत 31.49 रहा है। जबकि स्ट्राइक रेट 146.14 रहा है। वहीं भारतीय बल्लेबाजों ने 3 शतक और 33 अर्धशतक लगाए हैं। जोकि किसी भी टीम की तुलना में कहीं बेहतर है। बल्लेबाजी के लिहाज से भारत पहले पायदान पर है, दूसरे पायदान पर न्यूजीलैंड, तीसरे पर दक्षिण अफ्रीका, चौथे पर इंग्लैंड, पांचवे पर ऑस्ट्रेलिया है। भारत के पास रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या जैसे जबरदस्त बल्लेबाज हैं। हालांकि भारत के सामने सबसे बड़ी चिंता बाएं हाथ का बल्लेबाज का ना होना है। इस बार रवींद्र जडेजा, ईशान किशन दोनों ही टीम में नहीं हैं। हालांकि ऋषभ पंत टीम में हैं लेकिन उनकी जगह इस बार माना जा रहा है कि दिनेश कार्तिक को प्लेइंग इलेवन में ज्यादा जगह मिलेगी। जिस तरह की फॉर्म में डीके हैं उसकी वजह से उनकी प्लेइंग 11 में जगह जरूर बनती दिख रही है।

भारतीय गेंदबाजी भारतीय गेंदबाजी की बात करें तो यहां भारत के सामने कई बड़ी समस्याएं हैं। जिस तरह से आखिरी समय पर जसप्रीत बुमरा भारतीय टीम से बाहर हुए हैं वह टीम के लिए बड़ा झटका है। भारतीय गेंदबाजी की बात करें तो आखिरी के ओवर्स में भारत के गेंदबाज बहुत ज्यादा रन खर्च कर रहे हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार शुरुआती पॉवर प्ले में विकेट लेने में चूक रहे हैं। ऐसे में भारतीय गेंदबाजी मुख्य रूप से भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी और अर्शदीप सिंह के कंधों पर है। ऐसे में हर्षल पटेल पर हर किसी की नजर रहेगी। अगर वह अच्छा करते हैं तो भारतीय टीम की विश्वकप में संभावना बनी रहेगी। स्पिन गेंदबाजी में रविचंद्रन अश्विन, चहर और अक्षर पर नजर रहेगी। टीम इंडिया की मुश्किल चुनौती टीम इंडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती की बात करें तो उसके पास रवींद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर नहीं है। जो ना सिर्फ गेंद से बल्कि बैट से भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हैं। साथ ही मैदान में वह जिस फूर्ती से फील्डिंग करते हैं वह टीम के लिए एक अलग एडवांटेज है। ऐसे में रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमरा की टीम को कमी जरूर खलेगी। डेथ ओवर्स में भी भारत की गेंदबाजी पिछले कुछ दिनों से कुछ खास नहीं रही है। ऐसे में एक तरफ जहां अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी पर हर किसी की नजर है तो दूसरी तरफ हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए काफी अहम होने वाला है। ऑस्ट्रेलिया में लंबे मैदान में स्पिन गेंदबाज काफी कारगर साबित हो सकते हैं, पॉवर प्ले में अश्विन, चाहर और अक्षर पर हर किसी की निगाहें रहेंगी टीम इंडिया, शेड्यूल रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, दिनेश कार्तिक, रिषभ पंत, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, हर्शल पटेल, दीपक हुडा, मोहम्मद शमी। भारत के मैच 23 अक्टूबर पाकिस्तान के खिलाफ 27 अक्टूबर- ग्रूप के रनर अप के खिलाफ 30 अक्टूबर- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 नवंबर- बांग्लादेश के खिलाफ 6 नवंबर- ग्रूप बी के विजेता के खिलाफ ।

अजय देवगन का धांसू लुक आया सामने,रिलीज किया नया पोस्टर

क्या हमें हमेशा वही देखना चाहिए जो हम देखते हैं? यदि आप भी इस प्रश्न पर अक्सर ये सोचते हैं, तो अजय देवगन की नई फिल्म की अपडेट आपको इस बारे में सोचने पर मजबूर करेगी। एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म दृश्यम 2 के बारे में एक अपडेट शेयर किया है। अजय देवगन ने अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित फिल्म से अपने लुक का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। अजय देवगन ने 2015 के दृश्यम में विजय सलगांवकर की भूमिका निभाई थी। वहीं अजय अब इसके सीक्वल में अपनी भूमिका दोहराएंगे। अजय देवगन ने जो पिक्स शेयर की है,

उसमें एक्टर देवगन एक हाथ में फावड़ा लिए काफी इंटेंस नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन दिया ह्रसवाल ये नहीं की आपकी आंखों के सामने क्या है, सवाल ये है कि कि आप देख क्या रहे हैं । अजय देवगन ने फिल्म की रिलीज की तारीख को इसमें जोड़ा है, दृश्यम 2, 18 नवंबर, 2022 को ओपन । 2015 और 2022 की दृश्यम फिल्में मोहनलाल की हिट मलयालम फिल्मों की हिंदी रीमेक हैं। पहले भाग में विजय सालगांवकर की बेटी को गलती से एक पुलिस अधिकारी (तब्बू) के विलेन बेटे को मारते हुए दिखाया गया है। विजय बेटी को बचाने के लिए एक नकली कहानी सुनाकर और अपने दावे का सपोर्ट करने के लिए कुछ सबूत पेश करता है। ये सबूत उसने बड़ी चालाकी से तैयार किए हैं। यदि आपको दृश्यम की कहानी याद नहीं आरही है, तो इस रिकॉल टीजर पर एक निगाह डाल सकते हैं।

फिल्म मिली में जिंदगी-मौत से लड़ती दिखीं जाह्नवी कपूर

गुजरते समय के साथ अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के अभिनय में निखार आ रहा है। वह बहुत जल्द अपनी फिल्म मिली के जरिए दर्शकों से रूबरू होंगी। यह फिल्म 4 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। 2 मिनट 20 सेकेंड का यह ट्रेलर आपको अंदर से झकझोर कर रख देगा। इसमें जाह्नवी असामान्य परिस्थितियों से जूझती हुई दिखी हैं।

फिल्म में जाह्नवी ने मिली का किरदार निभाया है, जो अपने पिता (मनोज पाहवा) के साथ रहती है। वह अपने पिता को छोड़कर पढ़ने के लिए कनाडा जाती है। इसके अगले हिस्से में मिली को एक स्थानीय फूड जॉइंट में काम करते हुए दिखाया गया है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब वह गुम हो जाती है। वह एक फ्रीजर में फंसी हुई दिखी। अब फिल्म देखने पर पता चलेगा कि मिली मुश्किल परिस्थिति से कैसे निकलती है। आंखों में आंसू, डर और बेचैनी लिए मिली के रूप में जाह्नवी का अंदाज लोगों को पसंद आया। इसमें अभिनेता सनी कौशल की छोटी-सी झलक दिखी। ट्रेलर देखने से यह एक सर्वाइवर ड्रामा फिल्म लगती है। जाह्नवी के पिता बोनी कपूर ने इस फिल्म का निर्माण किया है। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसके निर्देशन की बागडोर मथुकुट्टी जेवियर ने संभाली है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल अगस्त में शुरू हुई थी। यह मलयालम फिल्म हेलेन की हिंदी रीमेक है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में जाह्नवी नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। हाल में इस फिल्म का पोस्टर जारी हुआ था, जिसे लोगों ने पसंद किया था। फिल्म के कलाकार मनोज को इसकी स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी। कहा जाता है कि जब मनोज को इसकी स्क्रिप्ट सुनाई गई, तो काफी कम समय में उन्होंने फिल्म के लिए अपनी हामी भर दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बोनी और मनोज के बीच अच्छे रिश्ते हैं। दोनों एक-दूसरे को 2009 में आई फिल्म वॉन्टेड से जानते हैं। ऐसे में मनोज, जाह्नवी के साथ भी काम करने का मौका नहीं छोड़ना चाहते थे।

जॉन अब्राहम ने खत्म की तेहरान की शूटिंग

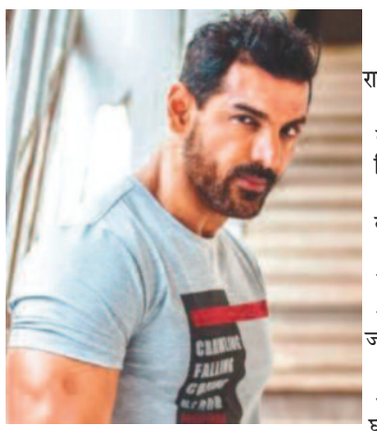

बॉलीवुड एक्शन स्टार जॉन अब्राहम ने अपनी आगामी भू-राजनीतिक थ्रिलर तेहरान की शूटिंग पूरी कर ली है। रैप की घोषणा करने के लिए निर्माताओं ने एक दिलचस्प वीडियो जारी किया है। वीडियो में तेहरान के मुख्य कलाकारों और क्रू को आखिरी बार ताली बजाते हुए देखा जा सकता है क्योंकि यह शूटिंग का अंतिम चरण है। जहां वीडियो में जॉन रॉ लुक और इंटेंस अवतार में हैं, वहीं मानुषी एक फ्रेश और अलग लुक में हैं। तेहरान सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है। जैसा कि उन्होंने पहले कहा था, यह परियोजना अभिनेत्री के लिए सीखने का एक बेहतरीन अनुभव साबित हो रही है। बेक माई केक फिल्म्स के सहयोग से एक मैडॉक फिल्म्स प्रोडक्शन, तेहरान अरुण गोपालन द्वारा निर्देशित है, जिसे रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है, जिसे दिनेश विजान, शोभना यादव और संदीप लेजेल द्वारा निर्मित किया गया है।

इंडो वेस्टर्न अंदाज में दुल्हन बनीं रिया चक्रवर्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों सोशल मीडिया अपनी तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस हमेशा अपनी बोल्ड और सिजलिंग लुक्स से फैंस को दीवाना बना देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका लुक बेहद ही गॉर्जियस दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया ने मल्टीकलर का फ्लोरल लुक में स्टाइलिश ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस ने बेहद ही बोल्ड अंदाज में इतने लंबे समय बाद कमबैक किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बेहद ही शानदार लग रही हैं। ओपन कर्ली हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं, तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं। रिया इन तस्वीरों में बेहद ही किलर लुक्स में पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

दीवाली से पहले किसानों के हित में छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्णय

» धान खरीदी के बाद अब समर्थन मूल्य में अरहर,मूंग एवं उड़द भी खरीदेगी छत्तीसगढ़ सरकार

» अरहर, मूंग एवं उड़द की फसलों की बुआई करने वाले किसानों के हित में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बड़ा निर्णय

» प्रदेश के 20 उपार्जन केंद्रों में अरहर, मूंग एवं उड़द की फसल की समर्थन मूल्य में खरीदी की मुख्यमंत्री 17 से करेंगे शुरूआत

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। प्रदेश में धान की फसल के साथ साथ अन्य फसलों की उत्पादकता को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ सरकार धान की फसल के साथ-साथ अब अरहर, मूंग एवं उड़द की फसल भी समर्थन मूल्य में खरीदेगी। दीवाली से पहले लिए गए सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में अरहर, मूंग एवं उड़द की फसलों की बुआई करने वाले किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचेगा। प्रदेश के पंजीकृत किसानों से अरहर, मूंग एवं उड़द की फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य में खरीदी की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 17 अक्टूबर से करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के माध्यम से अरहर एवं उड़द की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य 6600 रूपए प्रति क्विंटल और मूंग फसल की फसल 7755 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जायेगी।योजना का लाभ लेने के लिए इन फसलों की बुवाई करने वाले किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से सेवा सहकारी समितियो में आवेदन पत्र के साथ ऋण पुस्तिका के साथ बी-ढ्ढ, पी-ढ्ढढ्ढ, आधारकार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा कर पोर्टल पर पंजीयन करवा सकते हैं, पंजीयन अभी जारी है, जिसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 है।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ के किसानों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि की ओर अग्रसर करने की दिशा में मजबूत कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार किसान हितैषी योजनाओं का संचालन जमीनी स्तर पर किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में उड़द, मूंग एवं अरहर की फसलें भी अच्छी मात्रा में होती हैं, राज्य के जशपुर, सरगुजा, गरियाबंद, रायगढ़, कोंडागांव के क्षेत्रों में 122.01 हेक्टेयर में उड़द, जांजगीर, रायगढ़, कबीरधाम, कोंडागांव, जशपुर के क्षेत्रों में 16.34 हेक्टेयर में मूंग और कबीरधाम, जशपुर, बलरामपुर, राजनांदगांव, सरगुजा के क्षेत्रों में 120.31 हेक्टेयर में अरहर की फसल का उत्पादन किया जाता है।किसानों की सुविधा को देखते हुए राज्य में 20 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इस वर्ष उड़द और मूंग का उपार्जन 17 अक्टूबर 2022 से 16 दिसम्बर 2022 तक और अरहर का उपार्जन आगामी वर्ष में 13 मार्च 2023 से 12 मई 2023 तक की अवधि में किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष के लिए मतदान खत्म,सीएम भूपेश बघेल, मरकाम सहित 300 ने किया मतदान

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। कांग्रेस अध?यक्ष पद के सोमवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में वोट डाले गए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ मोहन मरकाम समेत कई बड़े नेताओं ने मतदान किया। छत्तीसगढ़ के 307 डेलीगेट्स के लिए प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में बूथ बनाया गया था। जिसमें कुल 300 वोट पड़े।

राजीव भवन पोलिंग बूथ में चुनाव अधिकारी सहित कुछ एआईसीसी डेलीगेट ने भी यहां वोट डाले। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल लोगों के वोट कर्नाटक के वेल्लारी में डाले गए। अब मतपेटी दिल्ली ले जाई जाएगी। इस चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर के बीच मुकाबला है। 19 को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करीब 11.10 बजे राजीव भवन पहुंचे। उसी दौरान मंत्री रविंद्र चौबे, कवासी लखमा, रुद्र कुमार गुरु, डॉ. शिव कुमार डहरिया, विधायक सत्यनारायण शर्मा, अंबिका सिंहदेव, ममता चंद्राकर आदि मंत्री विधायक भी प्रदेश पदाधिकारी भी मतदान के लिए पहुंचे।

अध्यक्ष पद के दोनों प्रत्याशियों में मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण सिंघानिया, महामंत्री अर्जुन तिवारी, अरुण सिसौदिया और सुमित्रा घृतलहरे को पोलिंग एजेंट बनाया गया है। जबकि शशि थरूर के पोलिंग एजेंट विनय कुमार पावले, हरि प्रसाद कुशवाहा को बनाया गया है। दोनों सरगुजा क्षेत्र के रहने वाले हैं।

रायपुर में मवेशी के साथ अननेचुरल सेक्स, मामले में मुन्ना भाई गिरफ्तार

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। राजधानी में मवेशी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. मामला आज़ाद चौक थाना क्षेत्र का है और एफआईआर दर्ज करने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. आज़ाद चौक थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी का नाम मुन्ना भाई है जो कि अग्रसेन चौक का रहने वाला है। और नशे का आदि है. मुन्ना भाई ने मवेशी के साथ ये कृत्य करना भी कुबूल किया है. हालांकि पुलिस ने मवेशी को थाने में बांधकर रखा है और नियमों के मुताबिक उसका मेडिकल भी किया गया है. वहीं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 377, 511, 11(1)(च)-PRE के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है.

बगीचा से दुर्ग जा रही दुर्ग रोडवेज की बस खड़े ट्रक से भिड़ी,22 घायल, 4 की हालत गंभीर

बिलासपुर, 17 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार तड़के बगीचा से दुर्ग जाने के लिए निकली बस के ड्राइवर को झपकी आने से सामने खड़े ट्रक से जा भिड़ी। इस हादसे में 22 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना हिर्री थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार दुर्ग रोडवेज की बस जशपुर जिले के बगीचा से दुर्ग तक चलती है। बस रोज की तरह रविवार की रात बगीचा से दुर्ग जाने के लिए निकली थी। घटना रात करीब 3.30 बजे की है। बस बिलासपुर से निकलकर हिर्री थाना क्षेत्र के भोजपुरी टोल प्लाजा के 200 मीटर पहले पहुंची थी। तभी नेशनल हाईवे में किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई।

बताया जा रहा है कि हादसे के वक?त बस काफी तेज रफ्तार में थी। ड्राइवर को अचानक झपकी आ गई, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और नेशनल हाइवे के किनारे खड़ी ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद यात्रियों में अफरातफरी मच गई। इस दौरान किसी ने घटना की जानकारी पुलिस के डायल 112 को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इस दौरान घायलों को तत्काल बिल्हा और सरगांव के अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि हादसे में 22 यात्री घायल हैं। इनमें से चार की हालत गंभीर है, जिन्हें सिम्स में भर्ती कराया गया है। हिर्री थाना के टीआई बृजलाल भारद्वाज ने बताया कि घायलों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके परिजन को भी सूचित किया जा रहा है। चार यात्री गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिले में पटवारी ने की आत्महत्या,फंदे से लटकता मिला शव,सुसाइड नोट बरामद

जगदलपुर, 17 अक्टूबर 2022। जिले मे एक पटवारी की आत्महत्या की बात सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पटवारी ने पहले अपने परिजनों के साथ नाश्ता किया और अपने कमरे में चला गया। बहुत देर तक जब वह वापिस नहीं आया तब दरवाजा खटखटाया लेकिन जब उसने दरवाजा नहीं खोला तब खिड़की से देखा तो पटवारी का शव फंदे से लटकता हुआ मिला। मामला परपा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, परपा इलाके में रहने वाले शेर सिंह बघेल (60) ने आत्महत्या कर ली। परिजनों ने आस-पास के लोगों को सूचना दी। सूचना मिलने पर लोग पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर गए। वहीं पुलिस को भी इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी गई। खबर मिलने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत शव को पहले नीचे उतारा। फिर पीएम के लिए भेज दिया था। मौके से एक सुसाइड नोट भी पुलिस ने बरामद किया है।

दो दिनों तक हो सकती है हल्की से मध्यम वर्षा

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। राजधानी रायपुर में सोमवार को दिन भर उमस भरी गर्मी रहने के बाद शाम को जोरदार बारिश हुई जिससे गर्मी व उमस से लोगों को राहत मिली। वहीं अगले दो-तीन दिनों तक राजधानी सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई रेखा कैलाशहर बहरामपुर कानके बिलासपुर ब्रम्हपुरी बुलढाणा दहानू है. दक्षिण पश्चिम मानसून के विदाई के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही है, जिसकी वजह से अगले 2 दिनों के दौरान प्रदेश के कुछ भाग से मानसून की वापसी संभव है।

चिनागेलुर मुठभेड़ में गोली लगने से तर्रेम थाने का सब इंस्पेक्टर घायल

बीजापुर, 17 अक्टूबर 2022। जिले के तर्रेम थाना अंतर्गत ग्राम चिनागेलुर की ओर जवान गस्त सर्चिंग के लिए रवाना हुए थे। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जवानों के ऊपर गोलीबारी कर दी, इस मुठभेड़ में तर्रेम थाना के सब इंस्पेक्टर राजेश सूर्यवंशी को गोली लगी है। कोबरा 210 बटालियन के जवानों की जवाबी कार्यवाही में नक्सली भाग खड़े हुए।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी.ने बताया कि रविवार शाम करीब 07 बजे बीजापुर के तर्रेम थाना अंतर्गत ग्राम चिनागेलुर की ओर जवान गस्त सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जवानों पर फायरिंग की गई। पुलिस की जवाबी कार्यवाही से नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग गये। इस मुठभेड़ में तर्रेम थाना के सब इंस्पेक्टर राजेश सूर्यवंशी घायल हुआ है।

बच्चों को पीटने वाले रिटायर्ड आईपीएस के खिलाफ केस दर्ज

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। प्रदेश के रिटायर्ड ढ्ढक्क्र के खिलाफ भोपाल पुलिस ने केस दर्ज किया है। बच्चों के साथ मारपीट करना एक्स अफसर को महंगा पड़ा गया। बच्चों के परिजनों ने इनके खिलाफ पुलिस के पास जाकर शिकायत की। पुलिस भी इस मामले में बचने का प्रयास करती रही,लेकिन विवाद बढ़ा तो केस दर्ज करना पड़ा। मामला ADG एमडब्लू अंसारी से जुड़ा है। प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी रहे अंसारी इस वक्त परिवार के साथ भोपाल में रह रहे हैं। इस मामले में शिकायत कोहेफिजा थाने में दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिक भोपाल में सैफिया कॉलेज के पास एमडब्ल्यू अंसारी रहते हैं। उनके घर के बाहर अफजल अली समेत तीन नाबालिग शोर मचा रहे थे। बच्चों की ये मस्ती अंसारी को रास न आई। वो घर से बाहर निकले और बच्चों को डांटकर भगाने लगे। बच्चे नहीं मानें तो तीनों नाबालिग को अंसारी ने पीट दिया। नाबालिगों ने भी अंसारी पर हाथ उठा दिया । इससे झुंझलाए अंसारी ने डंडे से एक बच्चे को मार दिया। इससे बच्चे के सिर में चोट आई है। इसके बाद उनके परिजन इकट्ठा हो गए उन्होंने भी अंसारी से अभद्रता की। नाबालिग के परिजनों ने इस मामले में कोहेफिजा थाने में शिकायत की। पुलिस ने दोनों पक्षों का मेडिकल कराने के बाद दोनों पर मारपीट का मामला दर्ज किया है।

बाइक चोरी मामले में नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। रात्रि 21:30 बजे प्रार्थी अनिल कुमार कुर्रे पिता अवध राम कुर्रे उम्र 26 साल पता BSUP कॉलोनी तेलीबांधा ब्लॉक नंबर 15 मकान नंबर 11 थाना तेलीबांधा रायपुर के द्वारा थाना उपस्थित आकर जुबानी बताकर रिपोर्ट कराया किया अपनी मोटरसाइकिल पल्सर 150 ष्टष्ट क्रमांक ष्टत्र 04 रुड्ड 1534 से अपने मालिक मुरलीधर केवलानी के घर काम करने के लिए आया था उक्त वाहन को केवलानी के घर क्रमांक -29 गायत्री नगर के सामने लॉक करके खड़ा किया था तथा अपने मालिक को उनके कार में लेकर साइड अमलीडीह गया था। शाम करीबन 7:30 बजे वापस आया देखा तो इसकी पलसर गाड़ी नीला रंग का जहां खड़ी किया था उस स्थान पर नहीं था आसपास पता तलाश किया नहीं मिला इसके मोटरसाइकिल पल्सर 150 CC नीला कलर क्रमांक CG 04 LX 1534 मॉडल 2017 कीमती 35000 रु को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया।

15 मिनट की बारिश में गृहमंत्री के बंगले की गिरी दीवार,पीडब्ल्यूडी विभाग ने कराया था निर्माण

रायपुर, 17 अक्टूबर 2022। राजधानी में आज कुछ देर जमकर बारिश हुई जिससे सड़कों का हाल बेहद खस्ता हो गया वहीं बारिश की वजह से सड़कें जलमग्न हो गई। राजधानी की अधिकांश सड़कें पानियों से भर गई जिससे वाहन चलाने वालों को काफी मशक्कत का सामना करना पड़ रहा था।

वहीं अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है जहां मंत्री ताम्रध्वज साहू के बंगले की दीवार गिर गई। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के बंगले की बाहरी दीवार गिर गई है। यह कोई पहली बार नहीं है बल्कि पिछले साल भी उनके बंगले की दीवार गिर गई थी। इसका निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग ने करवाया था।

नक्सलियों ने निर्माण कार्य में लगी 5 गाड़ियों में लगा दी आग, जवानों ने आईईडी किया बरामद

कांकेर, 17 अक्टूबर 2022। यहां नक्सलियों ने निर्माण स्थल पर खड़ी अनेक गाड़ियों में आग लगा दी। इससे काफी नुकसान हुआ है।

अन्तागढ़ ब्लॉक के चारगांव में नक्सलियों ने बीती रात 5 वाहनों को आग के हवाले कर दिया है। यहां चार पहिया वाहन समेत 2 हाईवा ट्रकों को आग लगाने की जानकारी सामने आ रही है। इस आगजनी के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची हुई है। वहीं इस घटना की पुष्टि कांकेर एसपी शलभ सिन्हा ने की है। उधर नक्सलियों ने नारायणपुर के ओरछा मार्ग पर झोरीगांव के पास ब्लोयिंग मशीन और ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया। जानकारी मिली है कि यहां ड्डह्लह्रु के फेस 2 का कार्य किया जा रहा था, जिसके तहत नारायणपुर से ओरछा मार्ग को फायबर केबल के द्वारा जोड़ा जा रहा है। एक जानकारी यह भी सामने आ रही है कि बीजापुर में जवानों ने माओवादियों के नापाक मंसूबे पर पानी फेरते हुए 2 किग्रा के आईईडी को बरामद किया है।

अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे आदिवासी समाज:राज्यपाल सुश्री उइके

रायपुर 17 अक्टूबर 2022। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज बिलासपुर जिले के कोटा में छत्तीसगढ़ सर्वआदिवासी समाज द्वारा आयोजित आदिवासी लोक कला महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री उइके ने कहा कि आदिवासी समुदाय ने प्रकृति के साथ रहते हुए आदिकाल से लगातार अपने परिवेश की देखभाल कर उसके संरक्षण और संवर्धन का काम किया है। आदिवासी समाज के धर्मगुरूओं द्वारा विश्व की रक्षा के लिए पर्यावरण के संतुलन के सिद्धांतों को भी जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया है। हमारे आदिवासी समाज द्वारा गुरूओं के इन संदेशों का प्रचार आधुनिक समाज को नयी दिशा दे सकता है। अपने अधिकारों के प्रति सजग रहकर और समाज एकजुट रहकर ही तरक्की की राह पर आगे बढ़ सकता है। समाज के लोग सजग रहकर ही शासन, प्रशासन तक अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचा सकते है और शासकीय योजनाओं का लाभ भी उठा सकते हैं। आज की जनजातीय युवा पीढ़ी को भी समुदाय के पारंपरिक ज्ञान एवं रीति-रिवाजों को हस्तांतरित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके मुख्य अतिथि की आसंदी से राज्यपाल सुश्री उइके ने आगे कहा कि इस बदलते परिवेश में आदिवासी समुदाय अपनी पुरातन परंपरा को खोते जा रहा है। अपनी समृद्ध संस्कृति से दूर होता जा रहा है। इस तरह के कार्यक्रम, समुदाय के लोगों को अपनी संस्कृति से परिचित कराने के लिए अति महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस मौके पर आदिवासी समाज के माटीपुत्र क्रांतिवीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधुर, बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती जैसे महान् विभूतियों को भी सादर नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और बलिदान के कारण यह समुदाय अपने अस्तित्व को बचाने और उसे उन्नत करने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि मैं क्षेत्रवासियों की खुशहाली के लिए अरपा नदी से प्रार्थना करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश के संविधान में जनजातीय समाजों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई प्रावधान किये गये है। इन प्रावधानों के द्वारा आदिवासियों को किसी भी प्रकार के शोषण और अत्याचार से सुरक्षा प्रदान किये गये है। कार्यक्रम को बिलासपुर लोकसभा सांसद श्री अरूण साव और लोरमी विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान आदिवासी समाज के प्रतिनिधि, समाज प्रमुख सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज और ग्रामीण जन मौजूद थे।

नक्सलियों ने फिर मचाया उत्पात, फूंक दिए 5 वाहन

कांकेर, 17 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर इलाके में नक्सलियों ने एक बार फिर जमकर उत्पात मचाते हुए 5 वाहनों को आग के हवाले कर दिया। अंतागढ़ ब्लॉक के चारगांव में नक?सलियों ने दो चौपहिया सहित 5 वाहनों को आग के हवाले कर दिया। वारदात की पुष्टि कांकेर एसपी शलभ सिन्हा ने की है। रविवार को भी नक्सलियों ने नारायणपुर के ओरछा मार्ग पर झोरीगांव के पास ब्लोयिंग मशीन और ट्रैक्टर को आग में झोंक दिया था। दक्षिण बस्तर के बीजापुर में नक्सलियों ने पुलिस पर गोलियां बरसाई थी। बीजापुर जिले के तर्रेम थाना अंतर्गत ग्राम चिनागेलुर की ओर पुलिस पार्टी सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी, इस दौरान माओवादियों ने पुलिस बल पर फायरिंग की थी।पुलिस की जवाबी कार्यवाही से नक्सली भाग गए थे। मुठभेड़ में एसआई राजेश सूर्यवंशी घायल हुए। उन्हें जिला अस्पताल लाया गया और देर रात हेलीकॉप्टर से रायपुर रेफर किया गया। इसकी पुष्टि एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवारना ने की है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)